

संक्षिप्त खबरें

पलामू के चार बालू घाटों की नीलामी में 26.59 करोड़ राजस्व की प्राप्ति



पलामू। जिले में कैटेगरी-दो के चार बालू घाटों की नीलामी शुक्रवार को जिला प्रशासन की ओर से ऑनलाइन झारखंड टेंडर पोर्टल के माध्यम से कराई गई। नीलामी प्रक्रिया में 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पांकी प्रखंड के बरवेया बालू घाट के लिए न्यूनतम बोली 1,29,72,623 निर्धारित थी, जिसके विरुद्ध लगभग पांच गुना अधिक 5,25,45,300 की उच्चतम बोली कमलेश प्रसाद ने लगाकर बालू घाट प्राप्त किया। इस बालू घाट की नीलामी के दौरान लगभग 50 राउंड की बोली लगाई गई, जो बालू घाटों की नीलामी के क्षेत्र में राज्य स्तर पर एक उल्लेखनीय रिकॉर्ड है। विश्रामपुर प्रखंड के लालगढ़ बालू घाट को प्रमोद प्रसाद ने 11,56,28,600 की उच्चतम बोली लगाकर प्राप्त किया। वहीं लेस्लीगंज प्रखंड के मिसिर पतरा बालू घाट को अमित कुमार सिन्हा ने 6,16,40,500 की उच्चतम बोली के साथ प्राप्त किया। वहीं, हैदरनगर प्रखंड के कबरा कला बालू घाट को शशिकांत गुप्ता उर्फ गुड्डू गुप्ता ने 3,60,58,600 की उच्चतम बोली लगाकर प्राप्त। इस प्रकार चार बालू घाटों की नीलामी से राज्य सरकार को कुल 26,58,73,000 की राजस्व प्राप्ति होगी। इसके पूर्व जिले के कांके खुर्द बालू घाट की नीलामी भी सफलतापूर्वक संपन्न कराई जा चुकी है। इस प्रकार अब तक पलामू जिले में कैटेगरी-2 के कुल पांच बालू घाटों की सफल नीलामी संपन्न हो चुकी है। जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार ने नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने वाले सभी व्यवसायियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन की ओर से बालू घाटों के सुचारू एवं नियमानुसार संचालन के लिए आवश्यक सहयोग किया जाएगा। उन्होंने सभी सफल निविदादाताओं से अपील की कि वे निर्धारित नियमों और पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए बालू घाटों का संचालन करें और जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम करें।

टी20 में वेस्टइंडीज ने भारत को 6 विकेट से हराया, शाई होप का तूफानी शतक

बिमा संवाददाता

रांची। रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज ने भारत को छह विकेट से शिकस्त दी है। भारतीय टीम की ओर से दिए गए 250 रनों के विशाल लक्ष्य को वेस्ट इंडीज की टीम ने 19.3 ओवर में ही चार विकेट खोकर (252/4) हासिल कर लिया और तीन गेंद शेष रहते जीत दर्ज कर ली। इस जीत के असली सूत्रधार कप्तान शाई होप और शेफेन रदरफोर्ड रहे, जिनकी आतिशी बल्लेबाजी के सामने भारतीय गेंदबाज पूरी तरह से बेबस नजर आए। विशाल लक्ष्य का पीछ करने पीच पर उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी। कामिल पूरन (4 रन) और शिमरॉन हेटमायर (0 रन) सस्ते में पवेलियन लौट गए, लेकिन इसके बाद कप्तान शाई होप और शेफेन



रदरफोर्ड ने मैदान पर चौकों-छक्कों की बारिश कर दी। होप ने कप्तानी पारी खेलते हुए मात्र 45 गेंदों में 5 चौकों और 9 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। दूसरे छोर से रदरफोर्ड ने अच्छी पारी खेलते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 7 चौकों और 7 छक्कों की बद्दील 94 रनों की तूफानी पारी खेली। अंत में रोमारियो शेफर्ड ने भी 15 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाकर टीम की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते



राज्यपाल मैच देखने पहुंचे, खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन
राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शुक्रवार को रांची स्थित जेएससीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत एवं वेस्टइंडीज के बीच आयोजित टी 20 क्रिकेट मैच देखने पहुंचे तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

विशेष रूप से अक्षर पटेल ने अपने 3.3 ओवर के स्पेल में बिना कोई विकेट लिए 63 रन लुटा दिए। वहीं, वेस्टइंडीज की ओर से स्पिनर रोस्टन चेज ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट



कौशल प्रशिक्षण संस्थान आईआईटी और आईआईएम से कम नहीं: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि कौशल प्रशिक्षण संस्थानों का महत्व किसी भी तरह से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) से कम नहीं है। उन्होंने युवाओं से बदलती तकनीक के अनुरूप लगातार नए कौशल सीखने और अपनी क्षमताओं को उन्नत करने का आह्वान किया। मोदी ने यहां अपने आवास सात, लोक कल्याण मार्ग पर शंघाई में आयोजित 48वीं विश्व कौशल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय टीम के प्रतिनिधियों से बातचीत की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें देश में कौशल विकास का दूत बनने के लिए प्रोत्साहित किया।



किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यावहारिक कौशल भी शैक्षणिक डिग्रियों जितने ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने युवाओं से अंतरराष्ट्रीय बाजार की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकसित करने और उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ तालमेल बिठाने को कहा। मोदी ने कहा कि भारत को कुशल

बनाया जा सके। प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता के दौरान नए उपकरणों, सॉफ्टवेयर, तकनीकी प्रणालियों और कार्य प्रक्रियाओं के अनुरूप खुद को ढालने के अनुभव साझा किए। उन्होंने कौशल विकास के लिए सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। शंघाई में 22 से 27 सितंबर तक आयोजित 48वीं विश्व कौशल प्रतियोगिता में भारत 10वें स्थान पर रहा। भारतीय दल ने छह रजत पदक और उत्कृष्टता के 20 पदक जीते। प्रतियोगिता में भारत की ओर से अब तक का सबसे बड़ा 70 सदस्यीय दल 63 कौशल श्रेणियों में शामिल हुआ था। इस बातचीत में कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

नंदीग्राम में शुभेंदु का रिकॉर्ड तोड़ 1.22 लाख वोटों से जीतीं भाजपा प्रत्याशी, रेजिनगर में भी खिला कमल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजिनगर विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रचंड जीत हासिल की है। 15 राउंड की मतगणना के बाद, नंदीग्राम से भाजपा उम्मीदवार हासिरानी रथ ने 1,22,753 वोटों के भारी अंतर से जीत दर्ज कर नया रिकॉर्ड बनाया है। वहीं, 74 प्रतिशत मुस्लिम बहुल रेजिनगर सीट पर भी भाजपा के शांखारव सरकार 75,748 वोटों के अंतर से विजयी हुए हैं। नंदीग्राम में हासिरानी रथ ने वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का पिछला रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। 2016 के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल उम्मीदवार के रूप में 81,230 वोटों से जीत दर्ज की थी। इसके बाद 2021 में उन्होंने भाजपा उम्मीदवार के रूप में 1,956 वोटों से और 2026 के चुनाव में 9,665 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। उनके दिवंगत नीजी सचिव चंद्रनाथ रथ की मां हासिरानी ने जीत के इन सभी पुराने आंकड़ों को काफ़ी पीछे छोड़ दिया है। उपचुनाव के इन ऐतिहासिक नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि दोनों ही केंद्रों पर राष्ट्रवादी शक्तियों की जीत हुई है। उन्होंने पहले ही विश्वास जताया था कि तृणमूल कांग्रेस और वामदल इन दोनों सीटों पर कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाएंगे।

राष्ट्रपति से मिला इंडिया गठबंधन का प्रतिनिधिमंडल, मुर्मु ने वोट चोरी के आरोपों पर मांगे सबूत

एजेंसी

नई दिल्ली: इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और वोट चोरी के आरोपों को लेकर उन्हें जापन सौंपा। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि गठबंधन के नेताओं ने राष्ट्रपति को पिछले चार दिनों से वोट चोरी के खिलाफ चलाये जा रहे आंदोलन और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उनसे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाय मतपत्रों से चुनाव कराने की मांग भी की गयी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने वोट चोरी के मामले को सबूत मांगे हैं, जिन्हें विपक्ष संकलित कर उन्हें सौंपेगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने



प्रतिनिधिमंडल की बातें ध्यान से सुनीं और मामले की जांच करने तथा उचित कदम उठाने पर निर्णय लेने का आश्वासन दिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति ने वोट चोरी के आरोपों को खारिज नहीं किया, बल्कि इस संबंध में सबूत मांगे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में वोट चोरी के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार देश

दोषी हैं और वे मिलकर लोकतंत्र को बर्बाद कर रहे हैं। श्री गांधी ने कहा कि विपक्ष राष्ट्रपति के सामने सभी सबूत रखने के लिए तैयार है और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर संभव रास्ता अपनायेगा। विपक्षी सांसद पहले मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने गये थे लेकिन उन्हें रोककर पुलिस थाने ले जाया गया। इसके बाद जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया गया और अब राष्ट्रपति के सामने मामला रखा गया है। विपक्ष

सोमवार को उच्चतम न्यायालय में भी इस मुद्दे को उठायेगा। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि विपक्ष ने राष्ट्रपति को जापन सौंपा है और उन्होंने मामले की जांच करने तथा विवरण देखने की बात कही है। सुश्री बनर्जी ने कहा कि राष्ट्रपति ने सबूत मांगे हैं, जिन्हें विपक्ष उन्हें उपलब्ध करायेगा। उन्होंने कहा कि देश इस मुद्दे को लेकर चिंतित है और राष्ट्रपति से संविधान की संरक्षक के रूप में लोकतंत्र की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए मामले की जांच का आश्वासन दिया है। प्रतिदिन मंडल के राष्ट्रपति भवन पहुंचने से पहले गठबंधन के सांसदों ने विजय चौक तक मार्च निकाला। इससे पहले सांसदों ने संसद भवन के

संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में बैठक की। बैठक में राष्ट्रपति को सौंपे जाने वाले जापन को अंतिम रूप दिया गया और विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे। इसके बाद सांसद संसद भवन से विजय चौक की ओर रवाना हुए। श्री खरगे ने मार्च में शामिल होने के दौरान कहा कि दो चुनाव आयुक्तों ने खुले तौर पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराने और मुख्य चुनाव आयुक्त श्री कुमार को उनकी गलतियों के बारे में समझाने की बात कही है, लेकिन इसके बावजूद वह नहीं माने। दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों के बावजूद मोदी सरकार श्री कुमार को पद से हटाने के लिए तैयार नहीं है। विपक्ष कई वर्षों से चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी समस्याएं सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त के सामने रख रहा है,

लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गयी। आजादी के बाद संविधान ने जनता को वोट देने का अधिकार दिया, लेकिन अब यह अधिकार छीने जाने का खतरा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार छोटी मछली हैं लेकिन उनके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उनकी सरकार है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों के अधिकार छीनकर तानाशाही करना चाहती है। यदि तानाशाही आती है तो लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकार समाप्त हो जायेंगे। विपक्ष इनकी रक्षा के लिए लड़ रहा है। श्री खरगे ने कहा कि विपक्ष राष्ट्रपति को बतायेगा कि सभी नेता जनता के वोट के अधिकार के कारण ही यहां तक पहुंचे हैं। यदि वोट देने का अधिकार छीन लिया गया तो देश में तानाशाही की स्थिति पैदा हो जायेगी।



एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्यसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी के आठ और समाजवादी पार्टी के दो राज्यसभा सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। नामांकन पत्रों की जांच एवं नाम वापसी की समय सीमा पूर्ण होने के बाद केवल 10 उम्मीदवार ही बचे थे, इसलिए मतदान कराने की जरूरत नहीं पड़ी। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की 10 सीटों के प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। विधानसभा में समाजवादी पार्टी के प्रोफेसर रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नथवानी को प्रमाणपत्र सौंपा गया। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के धर्मपाल सिंह, विद्यासागर सोनकर, प्रियंका रावत,

गोपी पांडे, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, राम प्रताप सिंह और श्रुति गंगवार को प्रमाणपत्र सौंपा गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उत्तर प्रदेश राज्यसभा चुनाव 2026 में निर्विरोध निर्वाचित होने पर भाजपा के सभी प्रत्याशियों को बधाई दी है। प्रदेश अध्यक्ष ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आप सभी समर्पण, निष्ठा और निरंतर सहयोग से संसद की कार्यवाही को सुचारू बनाते हुए विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उत्तर प्रदेश एवं देश की विकास यात्रा को नई गति देने के लिए आपका यह कार्यकाल अत्यंत सफल रहे, ऐसी मंगलकामना है।

बीएसएल कर्मचारियों की मांगों को लेकर 12 अक्टूबर से आमरण अनशन करेगा बीएकेएस

सेल और बीएसएल प्रबंधन पर कर्मचारी हितों की अनदेखी का आरोप, आंदोलन के चौथे चरण का एलान

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेल और बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) प्रबंधन के कथित कर्मचारी विरोधी रवैये के खिलाफ बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) ने आंदोलन के चौथे चरण की घोषणा की है। इसके तहत संघ के महासचिव हरिओम कुमार के नेतृत्व में 12 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से टूटैक गार्डन स्थित धरनास्थल पर आमरण अनशन शुरू किया



जाएगा। अनशन से पहले बोकारो स्टील सिटी के विभिन्न चौराहों पर स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जाएगा।

संघ का आरोप है कि सेल कॉर्पोरेट प्रबंधन के स्तर पर 45 से अधिक मुद्दे एक से दो दशक से लंबित हैं, जबकि बीएसएल प्रबंधन के स्तर पर 50 से

अधिक मामले लंबित होने के कारण कर्मचारियों को स्थानीय सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। संघ ने बोस राशि निर्धारित करने की प्रक्रिया

पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि प्रबंधन ने मनमाने तरीके से बोस फॉर्मूला लागू किया। इससे कर्मचारियों में नाराजगी है। बीएकेएस के अनुसार, इन मुद्दों को लेकर पहले तीन चरणों में आंदोलन किया जा चुका है। पहले चरण में कर्मचारियों ने दो दिनों तक काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। दूसरे चरण में विभागाध्यक्षों के कार्यालयों के सामने प्रदर्शन किया गया, जबकि तीसरे चरण में काले झंडे के साथ मौन जुलूस निकालकर विरोध दर्ज कराया गया। संघ का कहना है कि इसके बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आमरण अनशन का निर्णय

लिया गया है।

संघ के अध्यक्ष दिलीप कुमार ने कहा कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह आर-पार की लड़ाई है और अब इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

वहीं, महासचिव हरिओम कुमार ने कहा कि जिस तरह महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के शोषण के खिलाफ संघर्ष किया था, उसी तरह आज सेल कर्मचारियों को अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर लड़ना होगा। उन्होंने सेल प्रबंधन और गैर-निर्वाचित एनजेसीएस नेताओं के गठजोड़ से कर्मचारियों को मुक्ति दिलाने की जरूरत बताई।

डीसी के आदेश के बावजूद खुले में कचरा डंपिंग जारी, लोग परेशान



चास नगर निगम कार्यालय से महज 200 मीटर दूर है डंपिंग यार्ड, एक महीने बाद भी नहीं लगी शीट

बिभा संवाददाता

बोकारो। चास में खुले में कचरा डंप करने का सिलसिला धमने का नाम नहीं ले रहा है। जिला प्रशासन के निर्देश के बावजूद नेशनल हाईवे-32 पर आईटीआई मोड़ स्थित जगन्नाथ चौक के पास खुले में कचरा फेंका जा रहा है। इससे निकलने वाली दुर्गंध और मक्खियों के कारण आसपास के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। बताया जाता है कि करीब एक महीने पहले बोकारो के उपायुक्त (डीसी) ने मामले पर सज्ञान लेते हुए चास नगर निगम के अधिकारियों को खुले में कचरा डंप करने पर रोक लगाने और डंपिंग यार्ड को तत्काल शीट से ढकने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद अब तक न तो डंपिंग यार्ड को

ढकने की व्यवस्था की गई है और न ही खुले में कचरा फेंकने पर रोक लग सकी है।

नगर निगम कार्यालय के पास ही बढहाल स्थिति

हेरानी की बात यह है कि उक्त डंपिंग यार्ड चास नगर निगम कार्यालय से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित है। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होना नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। खुले में जमा कचरे से उठने वाली दुर्गंध और मक्खियों के कारण स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। लोगों को आशंका है कि इससे आसपास के क्षेत्र में बीमारियां फैल सकती हैं। डीसी के निर्देश के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं होने से प्रशासनिक आदेशों के अनुपालन पर सवाल उठ रहे हैं। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और लोगों को कचरे व दुर्गंध की समस्या से राहत कब मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

काशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

चास(बिभा)। सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट कमेटी के चास स्थित प्रधान कार्यालय में मान्यवर काशीराम का 20वां परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए और श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षाविद राजकुमार विद्यार्थी ने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समाज के उत्थान के लिए काशीराम ने आजीवन संघर्ष किया। उनके विचारों और बताए मार्ग पर चलकर समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए प्रत्येक घर के बच्चों को निःशुल्क उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करने की बात कही, ताकि शिक्षा के माध्यम से समाज के बच्चे आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने काशीराम के विचारों को आत्मसात करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर संस्था के संस्थापक अमल दास, जमील अख्तर, सरयू प्रसाद, अशोक दास, रामाशंकर राम, राजकुमार पासवान, रेणुका बाउरी, अनीता देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जीजीपीएस चास में ओपन डे तथा बाल-सृजन का सफल प्रदर्शन

बोकारो(बिभा)। शुक्रवार को गुरु गोबिंद सिंह, चास के प्रांगण में विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सुमन नागिया के कुशल नेतृत्व तथा प्राइमरी विंग की पाली प्रभारी किरण मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में कक्षा प्री-नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के विद्यार्थियों के लिए ओपन डे का आयोजन किया गया है। जिसमें अभिभावकों ने अपने बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन की जानकारी प्राप्त की तथा विद्यालय के शिक्षक ,शिक्षिकाओं के पढ़ने के तरीके तथा उनके अथक परिश्रम की सराहना की। दूसरी ओर कुमारी सुधा के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। जो कि आज के ओपन डे का मुख्य आकर्षण केंद्र रहा। जिन में छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा बनाए गए बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, हाटेड हाउस, शॉपिंग मॉल, शिक्षण अधिगम सामग्री तथा गेम जोन शामिल रहा। मुख्य अतिथि चास की डिप्टी मेयर पूजा कुमारी तथा विद्यालय प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष तरसेम सिंह सर ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। जीजीपीएस सेक्टर 5 के प्राचार्य अभिषेक कुमार ने प्रदर्शनी को देखकर बच्चों के अंदर छिपे कोशल की सराहना की। प्राचार्य सुमन नागिया तथा बी मिश्रा सर ने कार्यक्रम की भूरी- भूरी प्रशंसा की। तरसेम सिंह सर ने बच्चों की क्षमता और उनके कार्य प्रणाली की सराहना की। विद्यालय प्रबंधन कमेटी के सचिव एसपी सिंह सर ने अपने संदेश में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झारखंड राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में प्रतिभा की चमक बिखेरेंगे एमजीएम स्कूल के विद्यार्थी

बोकारो(बिभा)। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल कोडरमा में नौ से 11 अक्टूबर तक झारखंड राज्य सब जूनियर व सीनियर जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें भाग लेकर एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो के 70 विद्यार्थी अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरेंगे। स्कूल के प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि इस प्रतियोगिता के बालक वर्ग में आयुष पटेल, अर्पित टोणो, अमन कुमार, सत्यम केसरी, राजवीर सिंह, आयुष कुमार, युवराज सोरेन, राजवीर कुमार, सात्विक राज, शिवांश केसरी, आर्यवीर सिंह, अविनाश कुमार, अर्पित लोहानी, शुभम कुमार, ओलाक कुमार, अंशुमान, सूर्यकांत, बालाजी तिवारी, पार्थ नारायण, हृदय कुमार, मौजूद्दीन, राजवीर सिंह, फैसल, दिव्य भास्कर, मयंक सोनी, प्रियांशु कुमार, अनुरज सिंह, अंश राज, कुशन अक्षत, सक्षम सिंह, नमन ऋषि, ऋत्विंक वर्मा, अर्णव सिंह एवं बालिका वर्ग में दुर्गा टंडन, जयश्री, सुरभि कुमार, रौशनी, अशिका जया, समृद्धि, मुनुमुन, आर्या झा, प्रियांशी गौरव, ऋषिका, पुस्कान, प्रापति, आजस्वी, अदिति, साक्षी सोलंकी, अंजलि, परिधि, प्राची, दिव्यांशी सहित 70 विद्यार्थी दम दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षकों की देखरेख में विद्यार्थी राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में निरंतर सफलता हासिल कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यार्थी राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रशिक्षक के साथ कोडरमा रवाना हुए। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस, हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी, उप प्राचार्य राखी बनर्जी, प्रशिक्षक राजीव कुमार सिंह, शारीरिक शिक्षा शिक्षक मोहसिन, मीनाक्षी कुमारी, सौरभ, वंदना, पूनम कुमारी आदि ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डॉट सेंटर में टूनेट मशीन का उद्घाटन, मरीजों के बीच बाटे गए फूड पैकेट

बिभा संवाददाता

चंद्रपुरा। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के एसटीएमएम अस्पताल, सीटीपीएस चंद्रपुरा में शुक्रवार को राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अस्पताल के उप मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पिजूष कांति घोष के प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में 50 स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य टीबी की समय पर पहचान, जांच और प्रभावी उपचार के साथ इसके उन्मूलन के प्रयासों को मजबूत करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीवीसी सीटीपीएस चंद्रपुरा के मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभावी थे। जिला क्षय रोग पदाधिकारी डॉ. फ्लोरेंसिया होरो की देखरेख में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान डब्ल्यूएचओ की मेडिकल कंसल्टेंट डॉ. अनुपमा टी



ने प्रोजेक्टर और स्लाइड प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने टीबी की पहचान, जांच, उपचार और कार्यक्रम के प्रभावी क्रियाव्यवहन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण में जिला क्षय रोग पदाधिकारी, बोकारो डॉ. ए.के. झा, नवाडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राकेश भारती, जिला क्षय रोग कार्यक्रम समन्वयक हेमंत कुमार झा तथा जिला पीपीएम समन्वयक नितिन कुमार सिंह सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी

उपस्थित रहे। इसमें एसटीएमएम अस्पताल के चिकित्सकों और पैरामेडिकल कर्मचारियों के अलावा विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन अस्पताल के राकेश कुमार ने किया।

टूनेट मशीन से जांच की सुविधा होगी बेहतर

प्रशिक्षण कार्यक्रम से पूर्व सीटीपीएस डॉट सेंटर, चंद्रपुरा में टीबी मरीजों की जांच सुविधा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से

मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल में मनाया गया मनोरंजन दिवस

अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद विद्यार्थियों ने पीवीआर में देखी फिल्म, बच्चों में दिखा उत्साह

बिभा संवाददाता

बोकारो। मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल, बोकारो में अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद विद्यार्थियों को तनावमुक्त वातावरण प्रदान करने और मानसिक विश्राम के उद्देश्य से मनोरंजन दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बोकारो स्टील सिटी स्थित पीवीआर में फिल्म देखी। कार्यक्रम के तहत नर्सरी से कक्षा तीन तक के विद्यार्थियों ने लोकप्रिय कार्टून फिल्म ह्यूडोरेमोह्न का आनंद लिया, जबकि कक्षा चार से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने हवा वनहू फिल्म देखी। परीक्षा के बाद आयोजित इस



कार्यक्रम को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखा गया। विद्यार्थियों ने फिल्म का आनंद लिया और एक-दूसरे के साथ खुशनुमा पल बिताए। विद्यालय के प्राचार्य अमर प्रसाद ने कहा कि मनोरंजन और आनंद भी शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शिक्षा केवल पुस्तकों और कक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें स्वस्थ और आनंददायक अनुभव देना भी जरूरी है। उप-प्राचार्य देव दुलाल मित्र ने कहा कि लगातार पढ़ाई और

शैक्षणिक गतिविधियों के बीच मनोरंजन एवं मानसिक विश्राम आवश्यक है। इससे विद्यार्थी मानसिक रूप से तरोताजा होते हैं और नई ऊर्जा के साथ पढ़ाई में जुटते हैं। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक जुड़ाव, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने में सहायक होते हैं। मनोरंजन दिवस विद्यार्थियों के लिए यादगार रहा और उन्होंने इस आयोजन का भरपूर आनंद लिया।

बीएसएल में अंतर-विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत 14 स्कूलों के 56 विद्यार्थियों ने लिया भाग

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 और तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के तहत शुक्रवार को लॉनिंग एंड डेवलपमेंट विभाग के मुख्य सभागार में अंतर-विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें बोकारो के 14 विद्यालयों के 56 विद्यार्थियों ने हिंदी और अंग्रेजी में भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। प्रतियोगिता का विषय था, ह्दयका भविष्य की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों को छात्रों की सत्यनिष्ठा के आधार पर ग्रेड देना चाहिए? विद्यार्थियों ने विषय के पक्ष और विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत



किए। उन्होंने अपनी तार्किक क्षमता, अभिव्यक्ति कोशल और विषय की समझ का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसवीओ ने उपस्थित लोगों को सत्यनिष्ठा की शपथ दलाई। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में ईमानदारी, नैतिक आचरण तथा पारदर्शिता अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) भी उपस्थित रहें। निर्णायक मंडल में महाप्रबंधक

(जनसंपर्क एवं सीओसी), सहायक महाप्रबंधक (सीआरएम-3) और सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) शामिल थे। अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता में चिन्मय विद्यालय के आदित्य भास्कर ने प्रथम, सेंट जेवियर्स स्कूल के मुकुंद कुमार ने द्वितीय और एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल की निशा सिन्हा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्री अयप्पा पब्लिक स्कूल की निर्याति मिश्रा को सात्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। वहीं, हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता

में द पेंटेकोस्टल असेंबली स्कूल के आदित्य पांडेय ने प्रथम, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 की सुहानी प्रिया ने द्वितीय और द पेंटेकोस्टल असेंबली स्कूल के अर्णव कुमार ने तृतीय स्थान हासिल किया। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल की प्रियांशी चंद्रा को सात्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। सभी विजेताओं को सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में सतर्कता विभाग के अधिकारियों के अलावा विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित थे। बीएसएल की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता को विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता की समझ विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

तलगड़िया मोड़ पर तेज रफ्तार ट्रक ने कार को मारी टक्कर, 20 मीटर तक घसीटा; जेलकेएम नेता अर्जुन रजवार बाल-बाल बचे

बिभा संवाददाता

चंदनकियारी। धनबाद-बोकारो मुख्य पथ पर तलगड़िया मोड़ के निकट शुक्रवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने जेलकेएम नेता एवं चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी अर्जुन रजवार की कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक कार को करीब 20 मीटर तक घसीटा हुआ ले गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि कार में सवार अर्जुन रजवार समेत सभी यात्री बाल-बाल बच गए। हादसे में किसी के हताहत होने या चोट लगने की सूचना नहीं है। अर्जुन रजवार ने बताया कि वह चंदनकियारी के सियालजोरी स्थित



इलेक्ट्रोस्टील प्लांट के निकट रैयतों की मांगों को लेकर चल रही भूख हड़ताल और धरना स्थल से लौट रहे थे। उक्त धरना स्थल पर दुमरी विधायक वियराम महतो भी पहुंचे थे। इसी दौरान तलगड़िया मोड़ के पास अचानक पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन

गया। गनीमत रही कि कार में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में शामिल ट्रक को पकड़ लिया गया है। घटना के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। इस हादसे के बाद मुख्य पथ पर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही और सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

ह्यूमैनिटी सेवियर्स ने 19 लोगों को दिया जीवनदान : ब्लडमैन सलूजा

रक्तवीरंगना मीना एवं माया राय के जन्मदिन पर 19 यूनिट हुआ रक्तदान

बिभा संवाददाता

बोकारो। शुक्रवार को ह्यूमैनिटी सेवियर्स द्वारा थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन रेड क्रॉस ब्लड बैंक , बोकारो में किया गया। जिसमें कुल 19 यूनिट रक्तदान हुआ। शिविर के नेतृत्वकर्ता एवं ह्यूमैनिटी सेवियर्स के संस्थापक अध्यक्ष श्री हरबंश सिंह सलूजा ने बताया कि आज हमारी संस्था की दो-दो रक्तवीरंगनाओं मीना कुमारी जी एवं माया राय जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। विश्व रिकार्ड धारक ब्लड मैन हरबंश सिंह सलूजा ने कहा की अपनी खुशियों में दूसरों को खुशियां बांटना ही सर्वश्रेष्ठ



जीवनशैली है। मीना कुमारी एवं माया राय ने संयुक्त रूप से कहा कि समाज के सभी लोगों को अपने जन्मदिन या वैवाहिक वर्षगांठ या किसी भी तरह के खुशी के मौके पर किसी न किसी रूप में दूसरों को भी खुशियां बांटने का कार्य करना चाहिए। आज के शिविर में माया राय, सौरव चौहान, अंजनी जी, चित्रजीत दास, गौरव रस्तोगी, विकास कुमार एवं अन्य ने रक्तदान किया उपरांत दोनों रक्त वीरंगनाओं द्वारा केक कटवा कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में रेड क्रॉस ब्लड बैंक के राजकुमार एवं उनकी पूरी टीम का सराहनीय सहयोग रहा।

कोयलांचल केवल खनन तक सीमित न रहे, ज्ञान-तकनीक और नवाचार में भी बनाए पहचान: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार

बिभा संवाददाता

धनबाद: झारखंड के राज्यपाल-संग-कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि कोयलांचल की पहचान सिर्फ कोयले और खनन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह क्षेत्र ज्ञान, तकनीक, अनुसंधान, उद्यमिता और नवाचार के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। राज्यपाल बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय , धनबाद के तृतीय दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

समारोह में उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए राज्यपाल ने जननेता बिनोद बिहारी महतो के विचारों को याद किया और कहा कि शिक्षा सामाजिक जागरूकता, आत्मसम्मान और सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम है। उन्होंने रेखांकित किया कि आज कोयलांचल के सामने पर्यावरण संरक्षण, खनन क्षेत्रों की सुरक्षा



और श्रमिकों के कल्याण जैसी कई चुनौतियां हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए विश्वविद्यालय को स्थानीय जरूरतों से जुड़े शोध को प्रोत्साहित करना होगा।

राज्यपाल ने युवाओं से अपील की कि वे केवल नौकरी खोजने तक सीमित न रहें, बल्कि डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्टार्टअप के दौर में नवाचार के जरिए नए रोजगार सृजित करें।

बीबीएमकेयू के तीसरे दीक्षांत समारोह में 149 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

धनबाद। धनबाद के बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षांत समारोह राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने चयनित विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल और डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान कुल 149 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। इनमें 99 छात्रएं और 50 छात्र शामिल हैं। समारोह का खास आकर्षण डुमरी विधायक डॉ जयराम महतो रहे, जिन्हें कार्यक्रम में पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। वहीं, हजारों विद्यार्थियों के लिए डिग्री प्राप्त करने की प्रक्रिया और उच्च शिक्षा में आगे बढ़ने की उम्मीदें भी इस समारोह के केंद्र में रही। किसी के चेहरे पर वही की महान सफल होने की खुशी, तो किसी की आंखों में गोल्ड मेडल हासिल करने का गर्व। निर्धारित ड्रेस कोड में पहने छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के बीच उत्साह का माहौल रहा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने चयनित 149 विद्यार्थियों को डिग्री और विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों के उत्कृष्ट भावों की शुभकामनाएं देते हुए नई खोज, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उच्च शिक्षा में रिक पदों को भरने के प्रयासों का भी उल्लेख किया और झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने की दिशा में प्रयास जारी रहने की बात कही। इस दीक्षांत समारोह में सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों की सूची में अलग-अलग शैक्षणिक उपलब्धियां शामिल रही। कुल 149 अकाडमिक्स में से एक को डॉलर, 45 पीएचडी उपाधिकांक, दो बेस्ट पीजी स्टूडेंट, एक बेस्ट यूजी स्टूडेंट, 14 प्रोफेशनल कोर्स टॉपर, 52 पीजी टॉपर और 34 यूजी टॉपर शामिल हैं। इन उपलब्धियों के बीच छात्राओं की भागीदारी खास रही। पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाले 45 विद्यार्थियों में 21 छात्राएं शामिल हैं। वहीं, पीजी वर्ग में संबंधित आंकड़ों के अनुसार 52 में 23 छात्राएं रही। समारोह में डुमरी विधायक डॉ. जयराम महतो को भी पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। डिग्री और मेडल हासिल करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह समान उनकी शैक्षणिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में सामने आया।

अब जयराम महतो कहलाएंगे डॉक्टर, दीक्षांत समारोह में मिली पीएचडी की उपाधि

धनबाद। डुमरी के विधायक जयराम महतो अब डॉ. जयराम महतो के नाम से जाने जाएंगे। शुक्रवार को बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू), धनबाद के तीसरे दीक्षांत समारोह में उन्हें पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। विश्वविद्यालय परिसर स्थित एकेडमिक ब्लॉक में आयोजित समारोह में झारखंड के राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने उन्हें डॉक्टरेट की डिग्री दी। जयराम महतो ने विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग से शोध पूरा कर यह उपाधि हासिल की है। दीक्षांत समारोह में पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने के लिए जयराम महतो अपनी मां और भाई के साथ पहुंचे थे। विधायक के साथ एक शोधार्थी के रूप में उनकी यह उपलब्धि



उनके लिए खास रही। उपाधि मिलने के बाद उन्होंने कहा कि यह डिग्री महज कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनके संघर्षों का परिणाम है। इस मुकाम तक पहुंचने में जिन लोगों ने उनका सहयोग किया, उन्होंने उन सभी के प्रति आभार जताया। डॉ. जयराम महतो ने कहा कि विधायक के रूप में जनता की सेवा करना और साथ ही पढ़ाई के लिए समय निकालना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा।

जनप्रतिनिधि के तौर पर जिम्मेदारियों के बीच शोध कार्य पूरा करना आसान नहीं था, लेकिन शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बचपन से ही रही है। इसी लगन के कारण उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और पीएचडी की उपाधि हासिल की। उन्होंने कहा कि शिक्षा हासिल करने की ललक आगे भी बनी रहेगी। वह लगातार सीखने, समझने और नई जानकारीयां प्राप्त करने का प्रयास करते रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

माननीय उप राष्ट्रपति के देवघर आगमन को लेकर उच्चस्तरीय बैठक



दुमका (बिभा): जिले में भारत के उप-राष्ट्रपति के आगामी 10 अक्टूबर, 2026 को निर्धारित कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था, विधि व्यवस्था और प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रतिनियुक्त वरीय प्रभारी, मनीष रंजन, निदेशक, श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, रांची, झारखण्ड की अध्यक्षता में परिसर के सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने एयरपोर्ट, एम्स व सैन्य संपर्क मेला के दौरान की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। इसके अलावा बैठक के दौरान उपनियुक्त श्री सौरभ कुमार भुवनिया ने देवघर एयरपोर्ट पर आगवानी से लेकर मुख्य कार्यक्रम स्थल तक की विभिन्न प्रशासनिक व बुनियादी तैयारियों की वस्तुस्थिति से सभी को अवगत कराया। आगे बैठक के दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम में किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं रहे, इसलिए सभी प्रतिनियुक्त अधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण पुष्कर, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर श्री रवि कुमार, सिविल सर्जन, एम्स व एयरपोर्ट के निदेशन, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला नजारत उपसमाहर्ता, स्थापना उपसमाहर्ता, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, यातायात डीएसपी, हेडक्वार्टर डीएसपी, कार्यपालक अभियंता विद्युत, आरसीडी, नेशनल हाईवे, बीसीडी, जिला अग्निशमन पदाधिकारी, फूड सेफ्टी ऑफिसर व संबंधित अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

खेलो झारखंड में फुटबॉल व वॉलीबॉल के रोमांचक मुकाबले शुरू: 24 जिलों के 1344 खिलाड़ी दिखा रहे दम, विजेता टीमें अगले दौर में



राँची(बिभा): स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय 'खेलो झारखंड 2026-27' के अंतिम चरण में अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग की फुटबॉल और वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। खेलागांव स्थित प्रैक्टिस ग्राउंड में राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेन ने फुटबॉल में किक मारकर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। इस राज्य स्तरीय आयोजन में 24 जिलों के कुल 1,344 खिलाड़ी (फुटबॉल के 768 और वॉलीबॉल के 576) तथा 192 कोच व मैनेजर भाग ले रहे हैं। खेलागांव प्रैक्टिस ग्राउंड में खेले गए बालिका वर्ग के फुटबॉल मुकाबलों में साहिबगंज ने बोकारो को 3-2, रामगढ़ ने पश्चिमी सिंहभूम को 2-0, पाकुड़ ने लोहरदगा को 3-2, दुमका ने गिरिडीह को 3-0, हजारीबाग ने देवघर को 2-0, सिमडेगा ने धनबाद को 3-0 और चतरा ने गोड्डा को 1-0 से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। किक ग्राउंड में आयोजित बालक वर्ग के फुटबॉल मैचों में गिरिडीह ने पश्चिमी सिंहभूम को 2-0, देवघर ने कोडरमा को 2-0, हजारीबाग ने बोकारो को 2-0 तथा साहिबगंज ने पलामू को 2-1 से मात दी। प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में गिरिडीह ने रामगढ़ को 2-0, देवघर ने गढ़वा को 3-0 और गुमला ने बोकारो को 4-3 से पराजित कर अपनी जगह पक्की की। हरिवंश टाना भगत इंडोरे स्टेडियम में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में देवघर, धनबाद, गुमला, रामगढ़, बोकारो, गोड्डा, लोहरदगा, गढ़वा और चतरा ने जीत दर्ज की। वहीं बालक वर्ग में चतरा, धनबाद, कोडरमा, गोड्डा, लातेहार, जामताड़ा, देवघर और हजारीबाग की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे चक्र में प्रवेश कर लिया।

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: दुर्गापूजा एवं दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए हजारीबाग जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को उपनियुक्त हेमंत सती और पुलिस अधीक्षक अमन कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में विधि-व्यवस्था एवं शांति समिति की अहम बैठक हुई, जिसमें पूजा समितियों, आम नागरिकों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। जिले में 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे नवरात्र के तहत 18 अक्टूबर को महासप्तमी, 19 को महाअष्टमी व महानवमी तथा 20 अक्टूबर को विजयादशमी और रावण दहन का आयोजन होगा। प्रशासन ने सभी पूजा समितियों को निर्देश दिया है कि पंडाल निर्माण में



नायलॉन या सिंथेटिक जैसे ज्वलनशील पदार्थों का प्रयोग बिल्कुल न करें। हर छोटे-बड़े पंडाल में सीसीटीवी कैमरे, एलईडी स्क्रीन, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, प्राथमिक उपचार किट और अग्निशमन उपकरणों की अनिवार्य व्यवस्था करनी होगी। इसके साथ ही अग्निशमन, पोटब्ल्यूडी और बिजली विभाग से सुरक्षा प्रमाण-पत्र लेना आवश्यक होगा। भीड़ नियंत्रण के लिए महिला एवं पुरुषों के अलग प्रवेश-निकास द्वार,

मानव दिवस कर्मियों के बकाया वेतन व अधिकारों को लेकर जीएम से मिले अजय राय, लापरवाह एजेंसियों पर कार्रवाई का मिला आश्वासन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के केन्द्रीय अध्यक्ष अजय राय ने जमशेदपुर विद्युत आपूर्ति क्षेत्र के महाप्रबंधक अजीत कुमार से मुलाकात कर मानव दिवस कर्मियों की वर्षों से लंबित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। विद्युत अधीक्षण अभियंता सुधीर कुमार की मौजूदगी में हुई इस वार्ता में संघ ने मांग-पत्र सौंपते हुए बकाया वेतन, एरियर, ईपीएफ-ईएसआईसी और निजी एजेंसियों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की। वार्ता में चाँडिल डिवीजन के पांच कर्मियों-अजय कुमार दास, विनय कुमार टुडू, सत्यवान महली, इंद्रजीत रजक और संतोष साव-के रुके वेतन का मुद्दा विशेष रूप से उठा। संघ ने बताया कि 2014 के सर्वे में दर्ज और अनुभवी होने के बावजूद 2019 से



2021 के बीच इनका भुगतान रोक दिया गया, जिससे परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। अजय राय ने दो टूक कहा कि जाने जोखिम में डालकर काम करने वाले कर्मियों का पारिश्रमिक रोकना घोर अन्याय है और संघ कह मिलने तक संघर्ष जारी रखेगा। महाप्रबंधक अजीत कुमार ने कर्मियों को बिभाग का अभिन्न अंग बताते हुए अधिकारियों को सभी जायज मांगों के त्वरित समाधान और जिम्मेदार एजेंसियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर

सफाई अभियान के बाद अब पौधरोपण की तैयारी, सड़क किनारे लगाए जाएंगे सौ से अधिक पौधे

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर की फॉरेस्ट कॉलोनी में अपना मोहल्ला सबसे साफ अभियान के जरिए स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल की जा रही है। कमांडो सिक्व्यूरीटी के संचालक टुनटुन सिंह की पहल पर मोहल्ले की साफ-सफाई के साथ हरियाली बढ़ाने का अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्य में कर्मियों के साथ मोहल्लेवासी भी बड़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं।अभियान के तहत सबसे पहले करीब 100 कर्मियों और मोहल्लेवासियों के सहयोग से पूरे क्षेत्र में साफ-सफाई कराई गई। इसके बाद पेड़ों की सुरक्षा और देखभाल के उद्देश्य से उनके तनों पर चूने की पोताई कराई



गई। अब मोहल्ले को हरा-भरा और सुंदर बनाने के लिए सड़क किनारे सौ से अधिक पौधे लगाने का बीड़ा उठाया गया है।टुनटुन सिंह ने बताया कि अपना मोहल्ला सबसे साफ अभियान के तहत मोहल्ले को स्वच्छ, सुंदर और हरियाली से भरपूर बनाने की पहल की गई है। उनका उद्देश्य केवल सफाई कराना ही नहीं, बल्कि लोगों को अपने आसपास के

वातावरण को साफ रखने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ लगाए गए पौधों की देखभाल और सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि पौधे बड़े होकर मोहल्ले की हरियाली बढ़ा सकें।फॉरेस्ट कॉलोनी में इस पहल को स्थानीय लोगों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मोहल्लेवासियों का मानना है कि सामूहिक प्रयास से आसपास का वातावरण स्वच्छ रहने के साथ क्षेत्र की सुंदरता में भी निखार आएगा। टुनटुन सिंह की इस पहल से लोगों को अपने मोहल्ले को साफ-सुथरा और हरा-भरा बनाने के लिए आगे आने की प्रेरणा मिल रही है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बढ़ावा देने पर जोर, सूरैयाहाट के हंसडीहा को मॉडल सोलर विलेज के रूप में किया जाएगा विकसित

बिभा संवाददाता

दुमका : पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिले में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपनियुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के तहत पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने तथा मॉडल सोलर विलेज योजना के क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सूरैयाहाट प्रखंड के हंसडीहा गांव को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी एवं इसके लाभों की जानकारी दी गई। योजना के अंतर्गत घरेलू उपभोक्ता

अपने घर की छत पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए सरकार द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार एक किलोवाट क्षमता पर 30,000 रुपये तथा दो किलोवाट क्षमता तक 30,000 रुपये प्रति किलोवाट की दर से सब्सिडी दी जाती है। वहीं, तीन किलोवाट क्षमता के सोलर रूफटॉप संयंत्र पर कुल 78,000 रुपये तक की सब्सिडी का प्रावधान है। सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित होने से उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत मिलेगी तथा प्रतिमाह 300 यूनिट तक बिजली की बचत का लाभ प्राप्त हो सकता है। बैठक के दौरान मॉडल सोलर विलेज योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) द्वारा जिले के 10 सर्वाधिक आबादी वाले गांवों का

चयन कर उनकी सूची झारखंड नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (जेरेड), को उपलब्ध कराई गई है। चयनित गांवों में सौर ऊर्जा आधारित संरचनाओं की स्थापना को बढ़ावा देने तथा गांवों के प्रदर्शन का आकलन करने के उद्देश्य से छह माह की अवधि के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता के तहत चयनित गांवों में सौर ऊर्जा आधारित संरचनाओं की स्थापना एवं सौर ऊर्जा के उपयोग की प्रगति का आकलन किया गया है। छह माह की अवधि में गांवों के प्रदर्शन की समीक्षा के आधार पर सर्वाधिक सौर ऊर्जा आधारित संरचनाओं की स्थापना करने वाले गांव को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित करने की दिशा में पहल की गयी। प्रतियोगिता के लिए चयनित गांवों में

दुमका प्रखंड के पुराना दुमका (सीटी), रसिकपुर (सीटी), दुधानी (सीटी) एवं बंदरजोरी, सूरैयाहाट प्रखंड के हंसडीहा, मंडलडीह, बरियारा एवं नवाडीह, जरमुंडी प्रखंड के नोनीहाट तथा रानेखर प्रखंड के आसनबनी शामिल हैं। बैठक में चयनित गांवों में सौर ऊर्जा आधारित संरचनाओं की स्थापना एवं योजना के क्रियान्वयन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा के उपरांत सूरैयाहाट प्रखंड के हंसडीहा गांव को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है।

यूको बैंक के स्वास्थ्य शिविर में ग्राहकों की हुई जांच

बिभा संवाददाता

रांची। यूको बैंक की बरियातू शाखा में शुक्रवार को यूको बैंक और स्टार हेल्थ के संयुक्त सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन करते हुए आलम हॉस्पिटल के निदेशक डॉ तनवीर आलम ने किया। उन्होंने कहा कि शिविर में आलम हॉस्पिटल की ओर से बैंक के ग्राहकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। शिविर के माध्यम से बैंक के सम्मानित ग्राहकों को स्वास्थ्य संबंधी जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस पहल के जरिए

लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। यूको बैंक और स्टार हेल्थ की इस संयुक्त पहल में आलम हॉस्पिटल ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। आयोजन को ग्राहकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण की दिशा में एक सार्थक प्रयास के रूप में देखा गया। इस तरह की पहल बैंकिंग सेवाओं के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने और ग्राहकों के प्रति संस्थानों की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। इस अवसर पर यूको बैंक, रांची अंचल कार्यालय के अंचल अधिकारी सौरव श्रीवास्तव, बरियातू शाखा के शाखा प्रबंधक अमन कुमार अमन सहित आलम हॉस्पिटल और यूको बैंक के कई अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

एलन मस्क के बयान से उठते गंभीर सवाल- भारत की संप्रभुता और सुरक्षा सर्वोपरि



संतोष कुमार पाटक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और दुनिया के मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के एक बयान (सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट) ने भारत में कई तरह के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसका जवाब तलाशना और पूरी गंभीरता से देना बहुत जरूरी हो गया है।



उसे लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मस्क के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए राहुल ने लिखा, 'भारत में आपका स्वागत है, एलन। दूसरे शब्दों में मिलने तक इंतजार कीजिए।' राहुल गांधी के जवाब से गदगद मस्क ने तुरंत जवाब देते हुए लिखा, 'धन्यवाद राहुल, यह वाकई परेशान करने वाला है।' यहाँ यह याद रखना भी बहुत जरूरी है कि मस्क पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि भारत में इस सेक्टर से जुड़े बड़े कंपनियों स्टारलिंक की एंटी भारत के बाजार में रोककर अपना दबाव बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन इस बार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जवाब देने के

कारण, मामला बहुत गंभीर हो गया है। पिछले कई दिनों से राहुल, देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हुए हैं और वह बात सच पर नजर आ रही है। केन्द्र में सत्ताधर सरकार और विपक्षी दल खासकर राहुल के साथ संवादहीनता की स्थिति आ गई है, जिसे कतई सही नहीं माना जा सकता है। इतने गंभीर मसले पर राहुल की इतनी तेजी से की गई टिप्पणी को कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता है। यहां साफ-साफ नजर आ रहा है कि राहुल एक एके बड़ी गलती कर दी है, जिसका जवाब अब उन्हें लगतातर देते रहना पड़ेगा।

भारत सरकार ने गुन्वारा, 8 अक्टूबर को ही मस्क के आरोपों को खारिज करते हुए यह साफ कर दिया कि, देश में सैटेलाइट कम्पनियोंकन सर्विसेज के लिए तय नियम सभी के लिए एक जैसे हैं। फिलहाल, तीनों कंपनियों के लिए सुरक्षा समीक्षा की प्रोसेस चल रही है। जैसे ही किसी कंपनी की सुरक्षा जांच पूरी हो जाएगी, वह अगली स्टेप यानी सेक्मड आवंटन की मांग करने के लिए आगे बढ़ सकता है। सरकार ने आरोपों को सिर से खारिज करते हुए कहा कि, यह कहना बिल्कुल सही है कि नियमों को किसी के साथ भेदभाव करने के लिए लागू किया जा रहा है। मस्क के अलावा एयरसेल के मालिक सुनील भारती मित्तल की कंपनी यूटेलसेल वनवेब और मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो भी लाइसेंस लेने की होड़ में हैं।

एलन मस्क के आरोप अपनी जगह है लेकिन भारत की कोई भी सरकार देश की सुरक्षा और संरक्षितता से किसी तरह का समझौता नहीं कर सकती है। इस मामले में भारत के मल्टीप्लेयर और बड़े राजनीतिक दलों को एक ही पेज पर होना चाहिए। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह संसद के प्रमुख दलों को इससे जुड़े तथ्यों से अवगत कराए। सरकार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी मित्र एलन मस्क को भी दो टूक शब्दों में यह बता देना चाहिए कि बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भारत की सरकार को और इसी दबाव में डाला जा सकता है। यह मामला बहुत बड़ा है और इसे दुनिया की तमाम बड़ी कंपनियों के लिए एक उदाहरण की तरह पेस किया जाना चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि मस्क कुछ बिना किसी भेदभाव के होना चाहिए लेकिन ट्रंप शासन जिस तरह से भारत, भारतीय कंपनियों और भारतीयों के खिलाफ लगातार फैसले ले रहा है, उसे भी ध्यान में रखना बहुत जरूरी है।

संपादकीय

फार्मा कंपनियों के तोहफे

लंबे समय से यह बात सार्वजनिक विमर्श में रही है कि मरीजों के हितां को कुठाराघात करके, फार्मा कंपनियां उधार देकर चंद डॉक्टरों व अस्पतालों को साध रही हैं। फार्मा कंपनियां हजारों करोड़ रुपये का बजट डॉक्टरों को खुश करने के लिये रखती हैं ताकि उनके उपाद खरीदने के लिये मरीजों को बाध्य किया जा सके। विडंबना यह है कि सरकारें सब-कुछ जानते बूझते हुए भी खासोंका बैठी रहती हैं। यही वजह है कि सुप्रिम कोर्ट को केन्द्र सरकार को एक निश्चय दान पड़ा है कि वह फार्मा कंपनियों की अतिरिक्त मार्केटिंग पर अविलंब रोक लगाए। बाकायदा, डॉक्टरों को खुश करने के लिये, तोहफे देने वाली फार्मा कंपनियों पर लगाम लगाने के लिये विशेषज्ञ समेटी बनायी जाय। निश्चय ही इस अपवित्र गठजोड़ को नियामक तंत्र के दायरे में लाने की दिशा में यह एक स्वागत योग्य कदम होगा। निर्विवाद रूप से यह एक हकीकत है कि आर्थिक प्रलोभन या कीमती तोहफे मरीजों को दिए जाने वाले दवाइयों के परामर्श को प्रभावित करते हैं। फार्मा कंपनियों के इशारे पर लिखे गए प्रिस्क्रिप्शन का असर मरीजों और उनकी उपचार्य लागत पर पड़ता है। इस अनैतिक प्रवृत्ति पर रोक लगाने की दिशा में अदालत की पहल वक्त की जरूरत है। अदालत में वादी द्वारा दायर याचिका में इस बात पर बल दिया गया था कि फार्मा कंपनियां चुनिंदा दवाइयों की बिक्री बढ़ाने के लिये चिकित्सकों को रुपये तोहफे, विश्वास यात्राएं आदि अन्य प्रकार के लाभ पहुंचाती हैं। निश्चित रूप से ऐसी अनैतिक परंपराएं जहां एक ओर क्लिनिकल फैसलों पर प्रभाव डाल सकती हैं, वहीं जरूरत से ज्यादा दवा लिखने की गलत प्रवृत्ति को भी बढ़ावा दे सकती हैं। दरअसल, रोगों से जुड़ा हमी मरीज या तिमिरादार आमगौर पर यह निर्णय नहीं ले पाते कि कोई दवा कितनी जरूरी है या नहीं है। यह भी कि किसी दवा का बाजार में अन्य सरता विकल्प मौजूद है कि नहीं। लेकिन इस प्रलोभन नीति के चलते फार्मा कंपनियां अपना उल्लू सीधा करने में कामयाब हो जाती हैं।

हाहा यह तथ्य उल्लेखनीय है कि देश में इस अनेकित परिपाटी पर अनुकूल लगाने के प्रावधान पहले से ही मौजूद हैं। पहले से ही यूनिफॉर्म कोड फॉर्मामास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिस-2024 के तहत डॉक्टरों को फार्मा कंपनियों से किसी भी प्रकार के तोहफे लेने, देश-विदेश की महंगी यात्राओं की सुविधाएं या किसी भी तरह से आर्थिक लाभ लेने पर रोक लगाई गई है। बाक्यदा इस बाबत शिकायत आने पर उसके निपटारे के लिये भी व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि शिकायतों के निपटारे के लिये एथिक्स कमेटी, खर्चों की जानकारी देने और शीर्ष पैल सिस्टम भी मौजूद हैं। वह बात अलग है कि नियामक संस्थाएं यदा-कदा ही जागती हैं। इसके बावजूद, केन्द्र सरकार ने महत्वपूर्ण सवाल को माना है कि क्या फार्मा कंपनियों को किसी कानूनी नियम-कायदे के दायरे में लाया जाना चाहिए।

पुराने अनुभव तो यही बताते हैं कि स्वेच्छा से नियमों का पालन करना एक व्यावहारिक विकल्प नहीं हो पाता है। उपभोक्ताओं व मरीजों में जागरूकता के अभाव में ऐसे मामलों होने के बावजूद बहुत कम शिकायतें सामने आती हैं। इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि फार्मा कंपनियां खल नहीं हैं। नही है। दरअसल, कम शिकायतें सामने आने की अन्य कई वजहें हैं। मसलन, डॉक्टरों को महंगे उपहार या आर्थिक लाभ के मामलों की कम रिपोर्टिंग का होना, नियमों का ठीक प्रकार से लागू न हो पाना या फिर ताकतवर फार्मा लॉबी का सामना करने में हिचकिचाहट की वजह से शिकायत कम नजर आती है। उल्लेखनीय है कि पहले आवश्यक वस्तु अधिनियम या ड्रा एंड कॉन्सिमेंट्स कानून के जरिये इसे कानूनी आधार देने की कोशिशों पर अधिकार क्षेत्र और इसकी कानूनी धैर्यता को लेकर प्रसन्न उठे थे। ऐसे में फिर जरूरी हो जाता है कि प्रस्तावित कमेटी को अफसरशाही की लेट-लतीफी से बचाया जाए। कमेटी को वैश्विक बाजार मॉडल, हिटों के टकराव, जानकारी उजागर करने की जरूरत, ऐसे मामलों में सजा, स्वतंत्र जांच और मॉडल रेगुलेटरी की भूमिका की जांच करनी चाहिए। सही मायने में सरकार को एक स्पष्ट कानूनी रोडमैप तैयार करना चाहिए, जिससे किसी ऐसे कानून की जरूरत का पता चल सके।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वस्व का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे झुझर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढंग में भारी और आश्चर्यजनक परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षाण भर में परिवर्तित होकर इतिसा प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और अम्पलाही जैसी वीरंगनाओं को संतो-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न गयी। वामिचर और भट्टरि जैसे विलासी राजा उच्च क्रांति के योग्य बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पड़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोट-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो निर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। संत को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिवर्तन करते, दुष्ट को संत बनाने, मित्र को दुष्टता पर उतारते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुसरा एकमात्र कारण बड़ते और सद्गुणों में दाम्पत्य उपजे देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इदना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।



सनत जैन

ए क ही झटके में डूबे 11.37 लाख करोड़...

भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए गुरुवार का दिन बहुत खराब साबित हुआ। एक घंटे के भी इन्टरे में 11.37 लाल रूपा निवेशकों के डूब गए। निवेशक अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज से लेकर अंतिम अडानी की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखते को मिली। सभी सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने में मिली। शेयर बाजार 1045 अंक गिरकर मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 71593 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 371 अंक गिरावट के साथ 22232 पर बंद हुआ। रही सही कसर डालते के मुकाबले रुपया ने गुरुवार 97 रुपए के स्तर पर पहुंचकर पूरा कर दी। गिरने पर खले दो सप्ताह से रिजर्व बैंक डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को संभालने के लिए काफी प्रयास कर रही है। इसके बाद भी रुपया गिरने से रुक नहीं रहा है। रही सही कसर कच्चे तेल के दाम बढ़ने से डालर की मांग



ललित गर्ग

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना है। नाना पाटेकर उन्हीं वरल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगमंच पर, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े निवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहरे सम्मान और सम्पर्ण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज खुरदुरापन था, संवादों में धारा थी, आंखों में आक्रोश और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजावटी कला नहीं बनाया, बल्कि उस आधारथि जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी तितकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक प्रेरित्वाय नाम थे और ज्यदातर फिल्मप्रेमियों के लिये अभिजीवी भी थे।

ना का फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उसकाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों में ल सबसे बड़ा खूबी यह थी कि वे उनका लोगों के जीवन का सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जंगली के रांग बेशुमार हैं, कला-संस्कृति में अविस्मरणीय धाराएँ हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और असीम कलात्मक कहानियाँ थीं अन्त-अन्तथा। नाना का फिल्म-मग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। उन्होंने अपने किरदार से राष्ट्रीयता की भावना को प्रोत्साहित किया। नाना का सफरनामा पूरी तरह मायूस हो कर किसी भी इंसान के लिये प्रेरणादायी अध्ययन भी है, असीम सह्यता की मिसाल भी है। नाना पाटेकर का वास्तविक मग विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुहुर-जंजीरी में हुआ। बचपन में ही नाना का अभिनय में ही परिवार आर्थिक रूप से घटने में चिर गया। पिता का कारोबार डूब गया और नाना के लिये 13 वर्ष की उम्र में नाना को परिवार की मदद के लिये काम करना पड़ा। वे स्कूल के बाद मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री में चले गए और करीब 35 रुपये महँगे कमाते थे।



बढ़ती जा रही है, जिसके कारण डॉलर के मुकाबले रुपया में लगातार गिरावट देखी जा रही है। कच्चे तेल और डॉलर का भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़ा दबाव देखने को मिल रहा है। जैसे-जैसे डॉलर के रेट रुपए के मुकाबले बढ़ रहे हैं, इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को उठाना पड़ रहा है।

आखिर शेयर बाजार की यह हालत क्यों हुई, इसका लेखक तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में रेपो रेट में 550 पaise बढ़ा दिया। रेपो रेट 0.25 आधार दर बढ़कर 5.50 का र्हाई है। इसको लेकर शेयर मार्केट में घबराहत देखने को मिल रहा है। वैश्विक देशों के शेयर बाजारों में भी इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। जिसका असर भारतीय शेयर बाजार में दिख रहा है। सर्वसे बड़ी चीजों की बाजार यह है, भारत के शेयर बाजार से विदेशी निवेश लगाता

निकलता चला जा रहा है, जिसके भारत डोमेस्टिक निवेशकों भी घबराहट में आ गए हैं। भारत को वित्तीय संस्थाओं के ऊपर भी भारी दबाव देखने को मिल रहा है। इससे भारत का शेयर बाजार निकट भविष्य में सुधो पायेगा? इसको लेकर तरह-तरह की चिंता व्यक्त की जा रही है। रही सही कसर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दबाव ने पूरी कर दी है। ट्रंप ने एक नया फरमान जार किया है। जिसमें भारत को 8 आईटी कंपनियों का पीएआरएम प्रोग्राम से बाहर किया है। इनमें इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, कॉनिजेंट, कैपेजिमेंटी सहित आठ कंपनियों के मालिकारणियों को अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्रतिकारक प्रोग्राम से बाहर कर दिया गया है। इनमें माइक्रोसॉफ्ट और एडोबे भी शामिल हैं। इसका असर भारतीय कंपनियों में पड़ने लगता है। ट्रंप के इस कदम से भारतीय आईटी कंपनियों का अमेरिका में काम मिलने से दिक्कत होगी, जिसका प्रभाव

नाना पाटेकर: अभिनय की आग में तपा असाधारण कलाकार

काम पर जाने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बदले में एक वक्त का भोजन भी मिलता था। गरीबी और अभाव ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि भीत से गढ़ा। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि भूख और अपमान ने उन्हें जीवन को समझना सिखाया।

कला नाना के जीवन में आरंभ से थी। उन्होंने सर जे.जे. इस्टी-ड्राइ ऑफ एलाइड आर्ट में शिक्षा ली। लेकिन व्यावसायिक कलाकार के रूप में काम किया। लेकिन आना वास्तविक विद्यालय था राम्रंभ। माराठी राम्रंभ की प्रख्यात निर्देशिका विजया मेहता के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। हमीदाबाज्वाचं की कला को जैसे नाटकों ने उन्हें गंधी सरगमी के रूप में पहचान दी। राम्रंभ ने उन्हें संवाद बोला ही नहीं बल्कि संवाद के पीछे छिपी भावना को जीना सिखाया। नाना के करियर की शुक्रांता फिल्म 'गमन' से हुई थी। लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म 'परिपाक' से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम

किता और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। क्रांतिवीर खामोशी, शयनंत, अब तक छप्पन, अपहरण, वेल्कम राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुक्रआतं वषों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अंकुश और सलाम बॉम्बे! जैसी फिल्मों में उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाते।

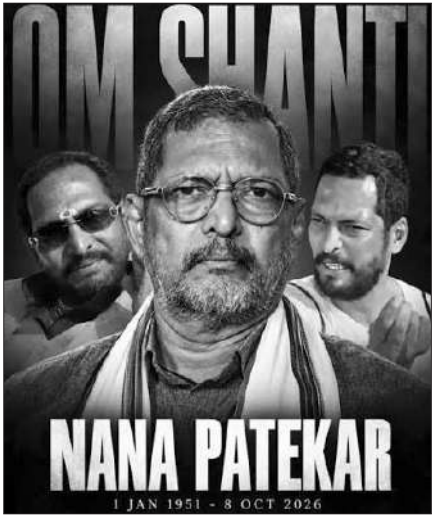
इसके बाद नाना पटवर्ग ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक अलग भाषा निर्मित की। 'अंगार' में उनका नकारात्मक किरदार 'तिरंगा' में देशभक्ति से ओतप्रोत शिवजी राव बाल्मे 'क्रांतिवीर' में प्रखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक 'अभिनेताश्री' में जटिल मानसिकाता वाला पात्र और 'खामोशी: द म्यूजिकल' में संवेदनशील पिता-हर्ष भूमिका में वे बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, उनके अभिनयशौरी के लिए फिर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए। इस तरह वे तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाले विशिष्ट अभिनेताओं में शामिल हुए।

नाना की अभिनयशैली का सबसे बड़ा गुण था स्वाभाविकता के भीतर तीव्रता। वे संवाद को केवल बोलते नहीं थे, उसे जीते थे। उनकी आवाज कभी धीमी फुसफुसाहट बन जाती तो कभी विस्फोट की तरह फूटती। उनका चेहरा, आंखों की हरकत, हाथों का इस्तेमाल, अचानक आने वाला ठहराव और फिर तेज गति से निकलते संवाद-इन सबका अपना नाटकीय व्यवकरण था। उनकी संवाद-अदायगी इतनी विशिष्ट थी कि साधारण वाक्य भी उनके मुँह से निकलकर यादगार बन जाता था। वे संवादों को अभिनय से बड़ा नहीं होते

देते थे, बल्कि अभिनय के माध्यम से संवाद को अर्थ देते थे।

नाना की लोकप्रियता का एक अलग अध्याय 'वेलकम' है। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाना जाने वाले नाना ने उदय शेट्टी के रूप में ऐसी कामिजों की चर्चा पड़ी थी उनकी मुरीहों गई। उनका 'कंट्रोल उदय, कंट्रोल!' जैसे संवाद और चेहरे के हावभाव आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा है। यह उनकी अभिनय-बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था कि कलाकार प्रियंका और क्रांतिवीर में दर्शकों को भीतर तक हिला सकता था, वहीं वेलकम में उन्हें खुलकर हंसा भी सकता था। 2000 के दशक में 'अब तक छप्पन' अपरधन, शक्ति: द पावर, राजनीति जैसे फिलम्स में उन्होंने उम्र और अनुभव के साथ अपने अभिनय को और गहरा किया। अब तक छप्पन के पुलिस अधिकारी का किरदार था या राजनीति में राजनीतिक घंटी बेंचों के बीच खड़ा चरित्र-नाना हमारा चरित्र की भांती बेचैन को सामने लाते थे। मराठी सिनेमा में भी उन्होंने अपने जड़ों को मही छोड़ा। 'नृसम्प्राट' (2016) में रामचंद्र के दिग्गज कलाकारों की भूमिका उनके करियर की सबसे मार्मिक प्रस्तुतियों में गिनी जाती है।

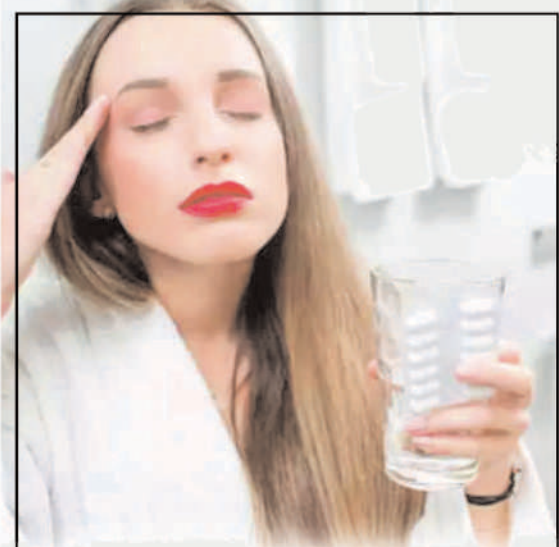
नाना केवल अभिनेता बनकर संतुष्ट नहीं थे। 'प्रहारः फाइनल अटेक' का निर्देशन करके उन्होंने यह साबित किया कि उनके भीतर निर्देशक और लेखक भी मौजूद हैं। इस फिल्म की तैयारी के दौरान उन्होंने सेना का कठोर प्रशिक्षण लिया। आगे चलकर उनका भारतीय सेना से संबंधित वास्तविक जीवन का हिस्सा बन गया। टैरेटोरियल अपात से जुड़े और लेप्टनेंट कर्नल वे मानव पद तक पहुँचे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे। पद पर देशभक्ति का अभिनय करने वाले इस कलाकार ने वास्तविक जीवन में भी सैनिकों के बीच जकारा देश के प्रति अपना समान व्यक्त किया। उनकी राष्ट्रपिता किसी नारे की तरह नहीं थीं, उसमें कर्तव्य और संवेदना थी। तिरंगा, प्रहार और क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में देश, समाज और नागरिक जिम्मेदारी के प्रश्न दिखाई देते हैं। वे देशभक्ति को केवल फिल्मों पर लड़ने वाले सैनिक की भावना तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि ईमानदारी से अपना काम करना कमजोर के साथ खुदा होना और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी राष्ट्रसेवा का हिस्सा मानते थे। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता थी सादगी और सामाजिक प्रतिबद्धता। महाराष्ट्र के किसानों की समस्याओं और ग्रामीण संकट से वे गहराई से जुड़े। 2015 में उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ नाना फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य किसानों और सूखा प्रभावित ग्रामीण परिवारों की सहायता करना था। उन्होंने राहत एवं सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहायता भी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया।



कि वे एक सच्चे 'क्रांतिवीर' थे जिन्होंने सामाजिक बुराईयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी खामोशी उतनी ही असरदार थी जितनी उनकी दमदार आवाज। उन्होंने हमेशा देश-विरोधी तत्वों पर लगाम लगाने की वकालत की।

नाना पाटेकर की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने स्टार बनने की कोशिश नहीं की, कलाकार बने रहें। वे ग्लैमर की दुनिया में रहते हुए भी अपनी जड़ों से कटे नहीं। गरीबी ने उन्हें संवेदनशील बनाया, रंगमंच ने अनुशासन दिया, फिल्में ने व्यापक पहचान दी, सेना ने राष्ट्रबोध को मजबूत किया और सामाजिक कार्यों ने उनके भीतर के मनुष्य को जीवित रखा। उनके अभिनय की विरासत केवल पुरस्कारों में नहीं, उन पात्रों में है जिन्हें उन्होंने अमर कर दिया। परिंदों का अन्ना, कृतीवीर का प्रताप, गिरंगा का शिवाजी वर, अब तक छपन का पुलिस अधिकारी, नटसम्राट का गणपत बेलवलकर और वेलकम का उदय शेठ्टी-वे सभी नाना के अलग-अलग चेहरे हैं, लेकिन इनके पीछे एक ही कलाकार है, जो अभिनय को दिखाता नहीं था, संवेदनशीलता के साथ जीता था। नाना पाटेकर का जीवन हमें यह संदेश देता है कि प्रतिभा अवसर की मोहताज नहीं होती। जिस किशोर ने कभी 35 रुपये महीने के लिए फिल्म पोस्टर रोल थे, वही आज चलचलित नाना राष्ट्रीय पुरस्कारों और पद्मश्री से सम्मानित हुआ। भारत ने एक अभिनेता खोया है, लेकिन उसकी कला, आवाज, संवाद, संघर्ष और संवेदनशील नागरिक की छवि बिलंब समय तक जीवित रहेगी। नाना पाटेकर की सबसे बड़ी फिल्म शादद उनका अपना जीवन-सा-संघर्ष से शुरू हुई, संवेदना से समृद्ध हुई और कर्म की सच्चाई पर समाप्त हुई।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टैक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करे तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।



एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेक्नीक

ऐसे करें आंखों की देखभाल

- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छोटे मारे
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर टंडे या फिर नॉर्मल पानी के छोटे मारे। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं, जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छोटे मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बाँटी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छोटे मारने से बचें।



मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गंवा दी, यहां

तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस हा मेटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठट्टे के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। युरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 153% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के

शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट ?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इन्फायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इन्फायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नोर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।



देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्यूटेड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चीकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पेरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंफैक्ट को लेकर हार्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बाँडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मैडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा

खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजर अंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक – वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्यूशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजुर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्यूशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बाँडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मैडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषित हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते हैं जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छाँक आना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।



जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मिलती है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बैचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फेल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें कैंसर को विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

**कच्छ में भीषण सड़क हादसा :
सोलर पार्क में ट्रैलर से टकराई
बोलेरो, 7 मजदूरों की दर्दनाक मौत**

कच्छ (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले में देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में सात मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह दुर्घटना खावड़ा सोलर पार्क जाने वाले मार्ग पर एक बोलेरो और ट्रैलर के बीच जोरदार टक्कर के कारण हुई। मृतकों में सभी मजदूर हैं, जो बोलेरो में सवार होकर काम पर जा रहे थे या लौट रहे थे। इस भयावह घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल पैदा कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, खावड़ा पुलिस चेकपोस्ट से सोलर पार्क की ओर आने वाले रास्ते पर यह हादसा इतना दर्दनाक था कि बोलेरो में सवार 7 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अनुमान के मुताबिक, बोलेरो में प्रंदह से अधिक कामगार सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर वीख-पुकार मच गई। लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, मृतकों के शवों को खावड़ा लाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भुज रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि खावड़ा सोलर पार्क क्षेत्र में इस प्रकार का यह पहला बड़ा और दर्दनाक हादसा है। देर रात हुई भीषण दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जम गई पड़ी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है, ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके।

केरल बीजेपी अध्यक्ष की चेतावनी, विधानसभा सत्र में वैधता का मुद्दा उठाएगी पार्टी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की सरकार इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कहा कि एसआईआर को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा चुनौती की वैधान पर सवाल उठाए जाने के बीच उनकी पार्टी विधानसभा के आगामी सत्र में सदन की वैधान का मुद्दा उठाएगी। कांग्रेस समेत कई दल मतदाता सूचियों के गहन पुरीक्षण में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। चंद्रशेखर ने एक्स पर कहा कि बीजेपी 12 अक्टूबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में यह मुद्दा उठाएगी। चंद्रशेखर ने कहा कि इस विधानसभा की वैधान क्या है? क्या यह विधानसभा वैध है या अवैध?'' केरलम में एसआईआर के बाद इस साल अंत में हुए विधानसभा चुनाव में 140 सदस्यीय सदन में बीजेपी के तीन विधायक जीते थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सबसे पहले इस बात पर सवाल होनी चाहिए कि क्या हम सभी अवैध रूप से चुने हुए हैं। यह मुद्दा मुखर हो, मुल्लिशाल, गोपकुमार और अन्य 137 विधायकों से जुड़ा है। चंद्रशेखर ने सीएम वीडी सतीशान से सदन में इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। बीजेपी नेता ने कहा कि अगर वह अवैध है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

इंफाल में चौकी पर हमला, आरएफ का एक हेड कांस्टेबल घायल

इंकाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंकाल में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की एक चौकी पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा ग्रेनेड फेंके जाने से आरएएफ का एक हेलीकॉप्टर बल घायल हो गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। यह घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है। यूपी के रहने वाले हेलीकॉप्टर बल धनंजय राय इंकाल पूर्वी जिले में पोरामपल नाना क्षेत्र के रॉय लांबुलांग स्थित आरएएफ चौकी के प्रवेश द्वार पर हुए विस्फोट में घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार बाद में उन्हें छुटी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और इलाके में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं हुई है। मामले की जांच जारी है। किसी भी उग्रवादी संगठन ने अब तक इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

एंबुलेंस में जोरदार धमाका, 40 फीट दूर जा गिरी छत; मरीज की मौत, दो घायल

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के मयूरभंज जिले में उदला उपमंडलीय अस्पताल के पास एक एंबुलेंस में आग लगने के बाद जोरदार धमाका हो गया। हादसे में एंबुलेंस से भुवनेश्वर ले जाया जा रहे मरीज की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाका इतना तेज था कि एंबुलेंस की छत उछलकर करीब 40 फीट दूर जा गिरी। घटना के बाद अस्पताल परिसर और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

मृतक की पहचान कुंडाबाड़ इलाके के निवासी सुयश कुमार बारिक के रूप में हुई है। वह ब्लड इन्फेक्शन जैसी गंभीर समस्या से पीड़ित थे। बेहतर इलाज के लिए उन्हें भुवनेश्वर के एक अस्पताल में ले जाया जा रहा था। इसके लिए परिजनों ने एक निजी ऑपरेटर की एंबुलेंस किराये पर ली थी। पारिवारिक जानकारी के अनुसार, रास्ते में उदला उपमंडलीय अस्पताल के पास मरीज को ऑक्सीजन देने के लिए एंबुलेंस चालक ने सिलेंडर का वाल्व खोला। इसी दौरान एंबुलेंस में आनक आग लग गई और कुछ ही क्षणों में जोरदार धमाका हो गया। धमाके के कारण एंबुलेंस की छत उछलकर लगभग 40 फीट दूर जा गिरी। इसके बाद आग ने पूरी एंबुलेंस को अपनी चोंपट में ले लिया। एंबुलेंस में आग लगते ही मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

योगी सरकार ने महिलाओं को दिया मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर का तोहफा



योजना से गरीब परिवारों को रसेई गैस उपलब्ध करने और स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। बैठक में जेवर हवाई अड्डा का नाम 'नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नोएडा-जेवर' रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री योगी ने इसकी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री योगी ने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्घेष्ट कर कहा कि प्रदेश में 65 लाख से अधिक गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराए हैं। करीब 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया रहा है। जल जीवन मिशन के तहत 2.46 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल

कनेक्शन मिले हैं, जबकि उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1.86 करोड़ मुफ्त गैस कनेक्शन दिए हैं। सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश में 6 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए हैं। इनके माध्यम से 9.90 करोड़ से ज्यादा लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है। योगी सरकार के अनुसार, गंभीर बीमारियों से पीड़ित 1.09 करोड़ लोगों के उपचार पर 18,798 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने रोजगार और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उपलब्धियां गिनाकर कहा कि प्रदेश में 9.50 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं और निजी क्षेत्र में 65 लाख नियुक्तियां हुई हैं। उन्होंने बताया कि 10 लाख स्वयं सहायता समूहों से एक करोड़ से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। सरकार का दावा है कि इन योजनाओं से गरीब परिवारों, महिलाओं और युवाओं को लाभ पहुंचा है।

कैप्टन रिमिंत मछार को इजरायल देगा वीरता पुरस्कार



**-पलाईदुर्ब प्लाइट को
हाईजैक होने और क्रैश करने से
बचाया था**

नई दिल्ली, एंजेंसी।
30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव का रही फ्लाईदुबई की फ्लाईअट को हाईजैक होने से बचाने वाले कैप्टन स्मित मशरू को इजरायल सम्मानित करेगा। इजरायली राष्ट्रपति आइज़क हजौन ने गुरुवार को इस घटना से जुड़े नायकों को सम्मानित किया। उन्होंने येरुशलम में छह इजरायली नागरिकों- ताली मानेस, जिक्का मानेस, यानिव हायुन, डॉ. शोता मुसायेव, आसाफ राजुआन और ओर पारदिलोव को राष्ट्रपति नागरिक वीरता पदक प्रदान किया। इन लोगों ने हमलावर को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। हजौन ने उसी मौके पर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मशरू को भी यही पुरस्कार देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि

मछर की साहस, बहादुरी और पेयत्र खड़े ने इस बड़ी आपदा को टाल दिया। मछर के स्वस्थ होने के बाद उन्हें यह सम्मान दिया जाएगा। हर्जंग ने मछर के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

कैप्टन स्मिथ मछर फिलहाल अबु धाबी के एक अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। ये रिकवरी कर रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी उनकी हालत में सुधार की पुष्टि की है। इस घटना के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन ने नेतायहू समेत कई नेताओं ने मछर को हीरो बताया। भारत और इजरायल के बीच मजबूत संबंधों का यह एक और उदाहरण बन गया है। यह सम्मान सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं बल्कि उस पंथ की है जिन्होंने मिलकर विमान को बचाया। मछर की बहादुरी दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गई है। उनके स्वस्थ होने और सम्मान समारोह का इंतजार सभी कर रहे हैं।

दिल्ली में डेरा डाले हरीश रावत को वक्त नहीं दे रहा हाईकमान



नई दिल्ली, एंजेंसी।
उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता हरीश रावत को दिल्ली में पार्टी का हाईकमान से मिलने के लिए पूरा दिन इंतजार करना पड़ा। बुधवार को ही दिल्ली पहुंच चुके रावत को गुरुवार को कोई मुलाकात का वक्त नहीं मिल पाया। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में चुनाव आयोग से जुड़े एक महत्वपूर्ण मसले पर शीर्ष नेताओं की व्यस्तता के कारण उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। अब उम्मीद जताई जा रही है कि शुक्रवार को उनकी मुलाकात प्रदेश प्रभारी सेलजा से हो सकती है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब हरीश रावत अपनी 'जसवार्द और धन्यवाद यात्राओं' को लेकर पार्टी हाईकमान के निशाने पर हैं। रावत ने अपनी इस स्थिति पर सोशल मीडिया के माध्यम से गहरा दुख व्यक्त किया था। उन्होंने लिखा था कि वे पिछले 60 वर्षों से कांग्रेस में हैं, लेकिन कभी उनसे कोई जवाब-तलब नहीं किया गया। उनको इस बयान ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को



और हवा दे दी थी। हालांकि, इन चर्चाओं पर चुप्पी तोड़ते हुए रावत ने स्पष्ट किया कि वे कांग्रेस नहीं छोड़ सकते और गांधी-नेहरू परिवार से अपना नाता नहीं तोड़ सकते। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि वे कांग्रेस के इंडे में ही लिपटकर जाना चाहते हैं, जो उनकी पार्टी के प्रति गहरी निष्ठा को दर्शाता है। गुरुवार को दिन भर इंतजार कर रहे हरीश रावत ने दिल्ली के बसंत कुंज स्थित अपने आवास पर बागेश्वर के प्रसिद्ध टांगडियां की गीठी का स्वाद लेते हुए और अपनी नई किताब का खाका तैयार करते हुए बिताया। शाम को एक मीडिया बातचीत में रावत ने

नई दिल्ली, एजेंसी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के रि
एसआईआर के मुद्दे पर राजनीतिक घमासा
हो गया है। विपक्ष सड़कों पर उतरकर सरकार
घेर रहा है, वहीं सत्तारूढ़ खेमा विपक्ष से
आम जनता के बीच भरोसे को लेकर विधि
यही वजह है कि भाजपा और उसके सहयोगी
दिल्ली के गृहमाली से ज्यादा अपने
कार्यक्रमों और अभियानों पर ध्यान केंद्रित
करें।

सत्ता पक्ष सोशल मीडिया के संभावित नकारात्मक प्रभाव की काट के लिए सामाजिक और

समीकरणों का साध रहा है। संसद के मॉनसून सत्र से ही विपक्ष किसी न किसी मुद्दे पर सरकार पर हमलावर है। पहले छात्र आंदोलन और जेन-जी की तीखी प्रतिक्रिया को लेकर सरकार ने बड़े कदम उठाते हुए आंदोलनकारियों की माँग मानकर उसे समाप्त किया था। सरकार का मानना है कि इससे विपक्ष के मंसूबे पूरे नहीं हो सके थे। अब विपक्ष ने एसआईआर पर सरकार को कटघरे में खड़ा कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा हुआ है। दिल्ली में जोते तिन दिनों से विपक्ष, खासकर कांग्रेस का नेतृत्व सड़कों पर है। भाजपा और विपक्ष के बीच तीव्र शब्दबाण चलए जा रहे

हैं। भाजपा ने भी अपने प्रवक्ताओं और प्रमुख नेताओं को मैदान में उतार दिया है, जो विपक्षी आरोपों का जवाब देने के साथ पलटवार भी कर रहे हैं। भाजपा के एक महासचिव ने कहा है कि विपक्ष को प्रदर्शन करने का हक है, पर जिस तरह वह संवैधानिक संस्थाओं पर हमले कर रहा है, वह लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उसे जनता का समर्थन नहीं मिलेगा और राजग की एकजुटता पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा। नेता चिराग पासवान ने भी कहा है कि अगर विपक्ष को अब भी कुछ शकॉए हैं तो आयोग से सीधी बात करनी चाहिए।

शक के आधार पर किसी को बांग्लादेशी बताकर नहीं निकाल सकती सरकार

बंगाल की शुभेदु की सरकार पर भड़के जज



(एफ.आर.आर.ओ) द्वारा उनके पति को देश से बाहर भेजने और हिरासत में लेने के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। इस मामले में पत्नी को हिरासत में नहीं लिया गया है।

याचिकाकर्ता के वकील रबीउल इस्लाम ने सुनवाई के दौरान कहा, मेरे मुवक्किल को दो महीने से ज्यादा समय से हिरासत में

रखा गया है। उन्हें कुछ पड़ोसियों के बयानों से पैदा हुए शक के आधार पर हिरासत में लिया गया। इस पर जस्टिस भट्टाचार्य ने सरकार के वकील से सवाल किया कि उस व्यक्ति को दो महीने तक हिरासत में क्यों रखा गया? उन्होंने यह भी पूछा कि अधिकारियों ने उसकी नागरिकता तय करने के लिए स्पष्ट और योग्य प्रक्रिया का

पालन क्यों नहीं किया? सुनवाई के दौरान जस्टिस भट्टाचार्य ने इस बात पर जोर दिया कि सिर्फ दावों के आधार पर किसी व्यक्ति को नागरिकता कैसे तय की जा सकती है? उन्होंने कहा कि उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं रखा जा सकता है। जज ने एक और महत्वपूर्ण सवाल उठाया, 1970 के दशक से पहले कितने लोगों ने सीमा पार की है? क्या उन सभी को वापस भेजना संभव है? इन टिप्पणियों के साथ, उन्होंने इस मामले को हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पास सौंपा सबूत दिया ताकि इसे सही बेंच को सौंपा जा सके, जो इस संवेदनशील मुद्दे पर आगे सुनवाई कर सकें। यह फैसला उन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण राहत लेकर आया है जिन्हें केवल संदेह के आधार पर अपनी नागरिकता साबित करने और देश से निकाले जाने का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्र सरकार की नीतियों से कुछ चुनिंदा उद्योगपति समूहों को फायदा : मल्लिकार्जुन खड्गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर आर्थिक नीतियों के जरिए एकाधिकार और दो कंपनियों के दबदबे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से कुछ उद्योग प्रति समूहों को फायदा मिल रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पोस्ट कर भाजपा पर आर्थिक उद्वेगकरण की भावना को कमजोर करने और अपने हितों के लिए आर्थिक आतंकवाद फैलाने का आरोप लगा। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले इस क्षेत्र में 13 कंपनियां थीं, जबकि अब तीन बड़ी निजी कंपनियों का दबदबा बुरा गया है। उन्होंने घरेलू विमानन क्षेत्र का जिक्र कर कहा कि पहले सात बड़ी कंपनियां थीं, लेकिन अब प्रमुख बाजार में दो कंपनियों का प्रभाव है। उनसे मुताबिक, डिजिटल भुगतान, सीमेंट और उद्योग पहुंचाने वाले मोबाइल मंत्रों सहित कई क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा कम होने की स्थिति दिखाई देती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि इन नीतियों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को नुकसान हुआ है तथा युवाओं के सामने बेरोजगारी की समस्या बढ़ी है।

भाजपा पर विरोधी मतदाताओं के वोट काटने का आरोप : केजरीवाल

जंतर-मंतर प्रदर्शन में शामिल होने की अपील

नई दिल्ली, एजेन्सी।

भाम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा को वोट नहीं देने वाले लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा रही हैं, जबकि फर्जी वोट जोड़े जा रहे हैं। केजरीवाल ने लोकतंत्र के लिए गंभीर मामला बताकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जतार-मंजर पर होने वाले प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। केजरीवाल ने कहा कि देशभर के लोग कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक दल

का मुद्दा नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र और नागरिकों के मतादन के अधिकार से जुड़ा मामला है। उन्होंने प्रदर्शन में शामिल होने की घोषणा कर कहा कि वह अपने परिवार के साथ-साथ जंतर-मंतर पहुंचेंगे और अन्य नागरिकों से भी इसमें भाग लेने का आह्वान करेंगे। यह प्रदर्शन मतदाता सूचियों के विशेष गठन पुनरीक्षण को लेकर उठे विवाद के बीच आयोजित हो रहा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और इससे भाजपा विरोधी मतदाताओं को नुकसान हो सकता है। हालाँकि, चुनाव आयोग और भाजपा इन आरोपों को खारिज करते रहे हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि

मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया का उद्देश्य मत, स्थानांतरित और ओटरे नामों जैसी गड़बड़ियों को दूर करना है। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन के लिए अनुमति देने से इंकार किया है। पुलिस के मुताबिक, आयोजन की सूचना निर्धारित समय से काफी देर से दी गई थी। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई गई है। नई दिल्ली क्षेत्र में प्रतिवर्धात्मक आंदोलन लागू होने के कारण नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। उधर, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा है कि अनुमति नहीं मिलने के बावजूद जनता का संघटन प्रदर्शन की योजना पर कायम है।



साहेबगंज में दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन सतर्क

हर पंडाल में सीसीटीवी व अग्निशमन अनिवार्य, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

विष्मा संवाददाता
साहेबबख्त: दुर्गा पूजा, नवरात्रि एवं दशहरा पर्व को जिले में शांति, सौहार्द और कई सुरक्षा प्रबंधों के बीच संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है।
 उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में वीडीओ कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने की। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, आईटीडीए परियोजना निदेशक संजय कुमार दास, जिले के सभी वरीय प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी, बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी तथा

पूजा समितियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उपयुक्त ने स्पष्ट किया कि दुर्गा पूजा आस्था, सामाजिक समरसता और भाईचारे का पर्व है, जिसे शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रशासन ने सभी पूजा समितियों को निर्देश दिया है कि पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। प्रत्येक पंडाल, प्रवेश-निकास द्वार और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और उनकी फुटेज को सुरक्षित रखा जाए। इसके अलावा अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, वैध विद्युत

संक्षिप्त खबरे

पोषण माह के समापन पर जागरूकता कार्यक्रम,
पांच किशोरियों की माताओं को मिली बेबी किट



तालझर्रा (बिभॉ)। पोषण माह के समापन अवसर पर शुक्रवार को तालझर्रा प्रखंड के वलशनपुर आंगनवाडी केन्द्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजत कलया गया। जलला समाज कल्याण पदाधलकरी के नलदेशनुसार आयोजत इस कार्यक्रम में मातु एवं शलशु स्वास्थ्य, पोषण, प्रारंभक बाल्यावस्था देखभाल और शलक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। ‘हमारी आंगनवाडी, हमारी जलमेदारी’ थीम पर आयोजत कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं के लिए गोदभराल और छोटें बच्चों के लिए अननप्राशन की रसल संपन्न कराल गई। साथ ही, पांच कलशोरलर्यों की माताओं के बीच बैबी कलट का वलतरण कलया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को गर्भावस्था में उचित देखभाल, संतुलत आहार और नवजात शलशुओं के बेहतर पोषण के संबंध में जानकारी दी गई। बताया गया कल बच्चों के स्वस्थ वलकास के लिए शुक्रआती वर्षों में पीठक आहार, सुरक्षत वलातारण और स्नेहपूर्ण देखभाल बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में प्रारंभक बाल्यावस्था देखभाल एवं शलक्षा (इंसीसीडी) पर वलशेष जोर दलया गया। महिलाओं और ग्रामीणों को बच्चों के मानसलक, शारीरक एवं बौद्धक वलकास में खेल-खेल में सीखने तथ्या प्रारंभक शलक्षा की भूमलका के बारे में बताया गया। साथ ही, समुदाय के लोगों से आंगनवाडी केन्द्रों की गतलवलधियों में सक्रलय भागीदारी नलभाने और बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील की गई। महिलाओं एवं कलशोरलर्यों को सरकारी कल वलभलन कल्याणकरी योजनाओं और उपलब्ध सुवलधाओं की जानकारी देकर उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरत कलया गया। इस अवसर पर महिला पर्ववक्षलका जूली कुमारी एवं पुष्पा कुमारी, संरक्षण पदाधलकरी (गैर-संस्थागत देखरेख) चंदा कुमारी, चाइल्ड हेल्थलाइन साहलबजंज के परलयोजना समन्वयक मो. इकबाल, सी-3 के कार्यक्रम अधलकारी खलललद हाशमी, मंथन संस्था के सामाजक कार्यक्रमता आंसु मलाकार सहत आंगनवाडी सेवलका-सहायलका, कलशोरलर्यों और ग्रामीणों ने भाग ललया। कार्यक्रम के माध्यम से मातु-शलशु स्वास्थ्य, पोषण जागरूकता और बच्चों की प्रारंभक शलक्षा को बढ़ावा देने के साथ समुदायलक सहभागलता का संदेश दलया गया।

60 दिवसीय मेगा विधिक जागरूकता अभियान, जरूरतमंदों को मिला योजनाओं का लाभ

साहेबगंज(विभा): जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) द्वारा संचालित 60 दिवसीय मेगा विधिक जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को बरहेट संचाली पंचायत में विशेष शिविर लगाया गया। प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुलाम हैदर के मार्गदर्शन और डालसा सचिव विश्वनाथ भगत के नेतृत्व में जरूरतमंयों के जॉब कार्ड, दिव्यांगता प्रमाणपत्र और बच्चों को विद्यालय में दाखिला दिलाया गया। नालसा व झालसा के निर्देश पर 23 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य वंचित वर्गों को नि:शुल्क कानूनी सहायता और सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना है।



कनेक्शन, पर्याप्त रोशनी, पेयजल, स्वच्छता और प्राथमिक चिकित्सा किट की पुख्ता व्यवस्था करने को कहा गया है। अग्निशमन विभाग को पंडालों के निरीक्षण और समिति सदस्यों को सुरक्षा प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया है। भीड़ नियंत्रण और आपात स्थिति से निपटने के लिए

समितियों को अपने स्तर से पहचान-पत्र युक्त स्वयंसेवक तैनात करने होंगे। पर्व के दौरान डीजे और प्रतिबंधित ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। समितियों को केवल निर्धारित ध्वनि सीमा में ही लाउडस्पीकर बजाने और किसी भी तरह के

आपाजितजनक या फूहड़ गीत प्रसारित न करने को सख्त हिदायत दी गई है। प्रतिमा विसर्जन को लेकर प्रशानन ने समय-सीमा तय करते हुए अपराह्न 5:00 बजे से पूर्व चिन्हित स्थलों पर ही विसर्जन प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। विसर्जन मार्गों और घाटों पर बैरिकेडिंग, वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था, गोताखोरों व आपदा मित्रों को तैनाती रहेगी, साथ ही जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिए पर्यावरण अनुकूल विसर्जन पर बल दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि जिले के संवेदनशील व अति संवेदनशील

इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, लगातार पेट्रोलिंग और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सघन निगरानी की जाएगी। सवेदनशील स्थानों, प्रमुख चौराहों और विसर्जन मार्गों पर आवश्यकतानुसार ड्रोन कैमरों से भी नजर रखी जाएगी। इसके साथ ही सोशल मीडिया और वाट्सऐप ग्रुपों पर साबुब निगरानी तेज कर दी गई है। किसी भी तरह की भड़काऊ, आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाली सामग्री को अंग्रेज न बढाने और तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की गई है। प्रशासन ने दो टूक कहा है कि सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह पर कार्यशाला व रक्तदान शिविर, 14 लोगों ने किया रक्तदान

तनाव प्रबंधन और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पर दिया गया जोर



विभागा संवादावता

साहेबगंज। मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के पांचवें दिन शुक्रवार को सिद्धो-कान्हू सभागार में कार्यशाला-सह-रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने और जरूरतमंदों की सेवा करने का संदेश दिया गया। शिविर में कुल 14 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान एवं मनोचिकित्सक डॉ. अशीष खान ने की। इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन तथा मानसिक समस्याओं से जुड़े रहे लोगों को समय पर परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई।

काशीशाला में बताया गया कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। मानसिक तनाव, चिंता एवं अन्य समस्याओं को नजरअंदाज करने के बजाय समझते रहते उनकी पहचान कर उचित सहायता लेनी चाहिए। साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी प्रतियोगिताएँ और समाजिक शिक्षा को दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। स्वास्थ्यकर्मियों को संवोधित करते हुए आम लोगों तक मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी का प्रकाश डालते हुए लोगों को स्वीच्छक रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह मानवता, भावना की उत्तरदायित्व और सेवा भावना का भी प्रतीक है। मौके पर डॉ. मोहन मुर्मू, डॉ. सती बाबू, जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (सीपओसी), बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एमपीडब्ल्यू), सिविल सर्जन कार्यालय के कर्मी तथा जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम के सदस्य मौजूद थे।

एसआईआर को लेकर बैठक, आज सभी मतदान केंद्रों पर लगेगा मेगा हेल्प डेस्क शिविर

तालझाड़ी । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर शुक्रवार को तालझाड़ी प्रखंड सभानगर में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं बुथ लेवल अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बडीओ सह अंचलाधिकारी राम सुमन प्रसाद ने की। बैठक में एसआईआर से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान मतदाता सूची के पुनरीक्षण से जुड़े कार्यों एवं मतदाताओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। सो शरम सुमन प्रसाद ने बताया कि 10 अक्टूबर 2026 को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर मेगा हेल्प डेस्क शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के माध्यम से मतदाताओं को मतदाता सूची से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ को शिविर के माध्यम से मतदाताओं की समस्याओं के समाधान और उन्हें जरूरी जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

**पलाशगाछी सीएलएफ की वार्षिक आमसभा
में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर**

विभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड के पूर्वी
उधवा दिवारा पंचायत सचिवालय में
में शुकवार को पलाशगछी
आजीविका महिला संकुल स्तरीय
प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी
समित लिमिटेड की वार्षिक
आमसभा की बैठक हुई। इस दौरान
पूर्वी उधवा दिवारा पंचायत की
मुखिया सोनिनुर नौबी, पंचायत
सहायक, नहिद खतून, वार्ड
सदस्य, सीडी मैनुअल सोरेन व
आईपीआरपी सुनीता मुर्मू सहित
अन्य के द्वारा दीप प्रज्वलित कर
बैठक का शुभारंभ किया। बैठक में
समय सहायता समूहों के माध्यम से
महिलाओं को आर्थिक रूप से
सशक्त बनाने, आजीविका के नए
अवसर उपलब्ध कराने तथा
आगामी कार्य योजनाओं के
विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में
जानकारी दी गई कि पलाशगछी
स्वस्थ के अंगंत कुल 331
कलस सहायता समूह, 14 ग्राम
संगठन और चार उत्पादक समूह



संचालित है। इन समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को समर्पित कर उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। महिलाओं की अल्पजमा की मजबूत करने के लिए मुर्री पालन, दिनदया उपस्थाय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसरों तथा आरसेटी के माध्यम से प्रशिक्षण की जानकारी दी गई। सदस्यों को हेन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी अवधान और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर मुखिया

सीबिनुर बीबी ने स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों की सरहना की। उन्होंने महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशर्तकीकरण में संकुल स्तरीय संघ, ग्राम संगठन और स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि महिलाएं ध्वन्यं सहायता समूह में जुड़कर सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि हक साहेब, सीएलएफ की अध्यक्ष नाजरीन खातून, सचिव डौली खातून, कोषाध्यक्ष आबेदा खातून, अमीषा परवीन सहित अन्य मौजूद थे।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने और त्रुटियों के सुधार के लिए आज लगेगा मेगा हेल्प डेस्क कैम्प

बीएलओ और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि करेंगे सहयोग, पात्र नागरिकों को प्रपत्र-6 व प्रपत्र-8 भरने में मिलेगी सहायता



विश्वा संवाददाता

साहेबगंज । मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित पात्र नागरिकों को जोड़ने और सूची में दर्ज वृत्तियों के निराकरण के लिए शनिवार, 10 अक्टूबर को जिले के सभी मतदाता केंद्रों पर मेगा हेल्प डेस्क कैंप आयोजित किया जाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के तहत आयोजित इस अभियान में नए मतदाताओं का पंजीकरण, लॉबींग मामलों के निष्पादन और मतदाता सूची में सुधार के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा। इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में

शुक्रवार को कार्यालय प्रकोष्ठ में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्षों, सचिवों और बृथ लेवल एजेंट-1 (बीएल-ए) के साथ बैठक हुई। बैठक में केप की तैयारियों और कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित प्रतिनिधियों से अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

केप में एक अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके या इससे

अधिक उम्र के ऐसे पात्र नागरिकों को पहचान की जाएगी, जिनका नाम अथवा तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। ऐसे युवाओं से प्रपत्र-6 भरवाकर नियमानुसार पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण कराई जाएगी। इसके अलावा एसआईआर- 2026 की प्रारूप मतदाता सूची में नाम शामिल नहीं हो पाये वाले पात्र प्रवासी मतदाताओं को भी चिह्नित कर उनसे प्रपत्र-6 प्राप्त किया जाएगा। नोटिस और दस्तावेजों से जुड़े मामलों

का होगा निष्पादन एसआईआर के दौरा
नो मैपिंग अथवा विसंगतियों के कार
नोटिस प्राप्त करने के बावजूद
आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा
जमा नहीं करने वाले मतदाताओं को कै
में सहायता दी जाएगी। दस्तावेजों व
उपलब्धता, सत्यापन और संबंधित
प्रक्रिया पूरी करने के लिए उ
आवश्यक जानकारी उपलब्ध कर
जाएगी। ऐसे मतदाताओं की भी अ
सूची तैयार की जाएगी, जो अपने
अपने माता-पिता के भारत में जन्मस्थ
से संबंधित जानकारी अथवा अपेक्षित
दस्तावेज उपलब्ध कराने में असमर्थ
वर्ष, वर्ष 2026 की मतदाता सूची
दर्ज त्रुटियों के कारण नोटिस प्राप्त क
के बावजूद प्रपत्र-8 जमा नहीं कर
वाले मतदाताओं को चिह्नित कि
जाएगा। नाम या अन्य प्रविष्टियों में गल
पाए जाने पर संबंधित मतदाताओं

प्रप्रत्र-8 प्राप्त कर सुधार की कार्यवाई जाणी।
बैठक में बताया गया कि वृ
मतदाताओं के नाम वर्ष 2024
मतदाता सूची में शामिल थे और उन्
गणना प्रप्रत्र भी भरा था, लेकिन नौ मै
के कारण जारी नोटिस की सुनवाई
किसी वजह से उपस्थित नहीं हो स
ऐसे मामलों में संबंधित बीएलए-1
अपने क्षेत्र के बीएलए-2 के
आवश्यक सहयोग देने का निर्देश
की अपील की गई, ताकि पात्र मतदा
दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी कर सं
उपायुक्त दीपक कुमार दूवे ने स
बीएलए-1 से अपने क्षेत्रों में मतदा
सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित प
नागरिकों की पहचान कर उन्हें कैप्
पहुँचने के लिए प्रेरित करने
अनुरोध किया। पात्र नागरिक प्रप्रत्र
और आवश्यक घोषणा पत्र के स

संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करने में सहायता प्राप्त कर सकते हैं। मेगा हेल्प डेस्क कैप के दौरान बृथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ), बीएलओ सुपरवाइजर और संबंधित कर्मी उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही बीएलओ और बीएलए-2 की चौथी बैठक तथा चुनाव पदाशाला से जुड़ी गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएंगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, बीएलए-1, बीएलए-2 और संबंधित पदाधिकारियों से अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे और लंबित मामलों का नियमानुसार निष्पादन किया जा सके।

पूर्य रेलवे

उप मुख्य अभियंता/बीआरएल/एचक्यू, पूर्य रेलवे,
कोकाता-17, नेताजी सुभाष रोड, इसरी मंजिल,
फेयरली प्लेस, कोकाता-700001 द्वारा नीचे
उल्लिखित कार्य के निष्पन्न के लिए प्रतिष्ठित
एवं पात्र ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की
जाती हैं: ई-निविदा सं. डब्ल्यू-2 623 16_06_एचड बल्यूएच_26-27, दिनांक
07.10.2016। कार्य का नाम: हावड़ा मंडल
में छोटे पुल सं. 11, 16, 20, 21, 27, 28,
34, 37, 40, 41, 52, 58, 63, 69, 73, 77, 8
7 एवं 98ए के शैलो टाइप गैरर का प्रतिस्थापन।
कार्य की अनुमानित लागत :
रु. 16,93,12,485.94। बयाना राशि :
रु. 33,86,300। निविदा बंद होने की तारीख
एवं समय : 30.10.2026 को 14.00 बजे।
समापन अवधि: 12 महीने। निविदा दस्तावेज
का विवरण वेबसाइट <https://www.ireps.gov.in>
पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने
प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा
करने का अनुरोध किया जाता है। मैनुअल प्रस्ताव
स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(MISC-221/2026-27)

निर्देश सुधारक वेबसाइट www.eindianrailways.gov.in
www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है।

हमें अनुसरण करें:  @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त डायरी

बिहार के 4 शहरों से कल चलेंगी 40 त्योहार स्पेशल बसें, दिल्ली से कोलकाता तक सफर होगा आसान,



पटना (एजेंसी) बिहार से दूसरे राज्यों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है. पटना, पूर्णिया, गया और मुजफ्फरपुर से शनिवार से 40 त्योहार स्पेशल अंतरराज्यीय बसों का परिचालन शुरू होगा. इन बसों से दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड, हरियाणा और पश्चिम बंगाल जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी. बिहार में त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए अंतरराज्यीय बस सेवा का विस्तार किया जा रहा है. पटना, पूर्णिया, गया और मुजफ्फरपुर से शनिवार से 40 त्योहार स्पेशल बसें चलेंगी. इस सेवा का उद्देश्य बिहार और दूसरे राज्यों के बीच यात्रा करने वाले लोगों को अतिरिक्त परिवहन सुविधा देना है. पांच राज्यों के लिए चलेंगी 200 स्पेशल बसें योजना के तहत बिहार के करीब एक दर्जन शहरों से पांच राज्यों के लिए कुल 200 त्योहार स्पेशल बसें चलाने की तैयारी है. इनमें पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, छपरा, सीवान, गोपालगंज, लखीसराय, अररिया, पूर्णिया और किशनगंज शामिल हैं. पहले चरण में शनिवार से 40 बसों का परिचालन शुरू किया जाएगा. पना से सबसे अधिक 30 बसें चलाने की योजना प्रस्तावित व्यवस्था के तहत पटना से सबसे अधिक 30 त्योहार स्पेशल बसें चलेंगी. इससे राजधानी से दूसरे राज्यों की यात्रा करने वाले लोगों को अतिरिक्त विकल्प मिलेगा. हालांकि, उपलब्ध जानकारी में पटना से शुरू होने वाली सभी बसों के प्रस्थान समय, किराये और विस्तृत रूट की जानकारी नहीं दी गई है. दिल्ली, गुरुग्राम और कोलकाता तक मिलेगी कनेक्टिविटी त्योहार स्पेशल बसें झारखंड के अलावा उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और पश्चिम बंगाल के लिए चलाई जाएंगी. प्रस्तावित गंतव्यों में गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद, अंबाला, दिल्ली, कोलकाता और सिलीगुड़ी जैसे शहर शामिल हैं. इन शहरों के लिए बसों की आवाजाही यात्रियों की अंतरराज्यीय यात्रा को आसान बनाने के उद्देश्य से की जा रही है. अभी पटना से चल रही हैं केवल आठ अंतरराज्यीय बसें मौजूदा व्यवस्था के तहत पटना से अभी आठ अंतरराज्यीय बसें चल रही हैं. इनमें दो बसें दिल्ली, चार बसें रांची और दो बसें हजारीबाग के लिए संचालित होती हैं. नई त्योहार स्पेशल सेवा शुरू होने से यात्रियों को पहले की तुलना में अधिक बसों का विकल्प मिलने की उम्मीद है. छठ के एक सप्ताह बाद भी जारी रहेगी सेवा दी गई जानकारी के अनुसार, त्योहार स्पेशल बस सेवा छठ के एक सप्ताह बाद भी जारी रहेगी. इससे त्योहार के बाद दूसरे राज्यों में लौटने वाले यात्रियों को भी फायदा हो सकता है. हालांकि, सेवा की अंतिम तारीख, बसों की सटीक समय-सारणी और टिकट बुकिंग की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है. बस से यात्रा करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान यात्रियों को बस में सफर करने से पहले अपने गंतव्य, प्रस्थान स्थल, किराये और उपलब्ध सीटों की जानकारी संबंधित परिवहन सेवा से लेनी चाहिए. सभी प्रस्तावित रूटों पर बसों का परिचालन शुरू होने और समय-सारणी की पुष्टि होने के बाद ही यात्रा की योजना बनाना बेहतर होगा.

जिंदगी खत्म हो जाएगी, पटना से लखनऊ जा रही फ्लाइट पर बिजली गिरने के बाद क्या क्या हुआ? लोजपा नेता ने बताया...

पटना (एजेंसी) पटना से लखनऊ जा रही इंडिगो फ्लाइट में भयानक टबुलेंस का अनुभव हुआ. लोजपा नेता राजेश कुमार भट्ट ने बताई वो रंगटे खड़े कर देने वाली घटना, जब लगा मौत सामने खड़ी है. कैप्टन की सूझबूझ से बचाई 104 जानें. मैंने कभी नहीं सोचा था कि पटना से लखनऊ तक का सामान्य हवाई सफर अचानक जिंदगी व मौत के बीच की जंग में बदल जायेगा. एक पल की लगा कि आज जिंदगी की लीला यहीं समाप्त हो जायेगी.' यह कहना है लोजपा के मुख्य प्रवक्ता राजेश कुमार भट्ट का, जो सात अक्टूबर की शाम पटना से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट में सवार थे. मौसम बिल्कुल साफ था फिर... भट्ट के मुताबिक, शाम 3:10 बजे जहाज ने पटना से लखनऊ के लिए उड़ान भरी. उस समय पटना में मौसम



बिल्कुल साफ था. विमान ने समय पर टेकऑफ किया व शुरूआत में सब कुछ सामान्य रहा. लेकिन, बनारस व प्रयागराज के बीच पहुंचते ही अचानक मौसम बदल गया. जोरदार झटके से सहम गए यात्री बाहर तेज बारिश शुरू हो गयी. इसी दौरान करीब 3:32 बजे विमान को जोरदार झटका लगा. झटका इतना तेज था कि एक पल

के लिए लगा, जैसे विमान पूरी तरह एक्सप्लोड हो गया हो. बिल्कुल ऐसा, जैसे कोई तेज रफ्तार कार सीधे दीवार से टकरा गयी हो. प्लेन एक झटके में 2.5 हजार से तीन हजार फुट तक नीचे आ गया. पहले हमलोग करीब 17 हजार फुट की ऊंचाई से उड़ रहे थे. लगभग 12 से 15 मिनट तक रहा खौफनाक मंजर विमान में टबुलेंस शुरू हो गया.

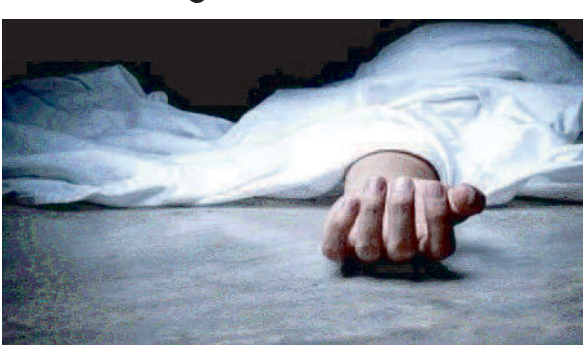
बिहार के 30 हजार परिवारों को 20 नवंबर को मिलेगा बंदोबस्ती

पटना (एजेंसी) बिहार में वैसे लोग जिनके पास रहने के लिए घर-जमीन नहीं है, उनके लिए खुशखबरी है. 20 नवंबर को राज्य सरकार उन्हें बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र देगी. इस दौरान करीब 3 डिस्मिल की जमीन उन्हें दी जाएगी. इसके लिए जिला मुख्यालय में समारोह था शिविर लगाए जायेंगे. बिहार के 30 हजार भूमिहीन परिवारों को जमीन देने की तैयारी है. राज्य सरकार 'अभियान बसेरा-2' के तहत 20 नवंबर को पात्र भूमिहीन परिवारों को जमीन का बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र देगी. सरकार की ओर से दी जाने वाली जमीन पर परिवार रह सकेंगे. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से यह पहल बेहद खास मानी जा रही है. भूमिहीनों की 3 से 5 डिस्मिल जमीन दी जाएगी. क्या है 'अभियान बसेरा-2' का मकसद? जानकारी के मुताबिक, इस पूरे

अभियान की प्रगति की समीक्षा मुख्यालय स्तर पर साप्ताहिक रूप से होगी. इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कोई भी सुयोग्य लाभुक बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र प्राप्त करने से वंचित नहीं रहे. इस संबंध में जिला मुख्यालय में 20 नवंबर को समारोह या विशेष शिविर का आयोजन होगा. इसमें 30 हजार भूमिहीन परिवारों को वास भूमि का प्रमाण-पत्र दिया जायेगा. इसमें जनप्रतिनिधि शामिल होंगे. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने दिया निर्देश इस संबंध में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सभी समाहताओं को पत्र लिखकर तैयारी का निर्देश दिया है. समाहताओं से कहा गया है कि अभियान बसेरा-2 के तहत अब तक सर्वे किए गए और लांबित सुयोग्य परिवारों की लिस्ट की तत्काल जांच अंचलाधिकारियों के

माध्यम से करा ली जाए. अगर नये लाभुकों को इस योजना के तहत जोड़ा जाना है तो अभियान बसेरा पोर्टल के माध्यम से उनकी ईट्टी तुरंत कर ली जाए. साथ ही बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र तैयार करने और संबंधित पदाधिकारियों के साइन की प्रक्रिया 6 नवंबर तक अनिवार्य रूप से पूरा कर ली जाए. अब तक कितनों को मिला फायदा? मिली जानकारी के अनुसार, इस योजना का लाभ अब तक 93,916 लाभुकों को मिला है. इसमें 15 अगस्त, 2026 को विशेष अभियान के तहत कुल 30,085 सुयोग्य श्रेणी के भूमिहीन परिवारों को बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र प्राप्त होना शामिल है. ऐसे में अब 20 नवंबर को इस योजना से 30 हजार लोगों को लाभ मिलने के बाद कुल लाभुकों की संख्या करीब 1 लाख 24 हजार हो जायेगी.

पटना (एजेंसी) पटना में चार दिन से लापता स्नातक को छात्रा शेली रानी का शव शुक्रवार को कुम्हार इलाके में रेलवे ट्रैक पर मिला. वह 5 अक्टूबर को फॉर्म भरने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी. पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र से चार दिन पहले लापता हुई युवती शेली रानी का शव शुक्रवार को कुम्हार इलाके में रेलवे ट्रैक पर मिला. शेली टीपीएस कॉलेज में स्नातक की छात्रा थी. वह 5 अक्टूबर को फॉर्म भरने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी. चार दिन बाद उसका शव मिलने से परिवार में मातम है. परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है. शव मिलने के बाद जीआरपी ने शुरू की जांच घटना की सूचना मिलने पर राजेंद्रनगर टर्मिनल की जीआरपी मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की. शुरूआती जांच में मामले के प्रेम प्रसंग से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है.

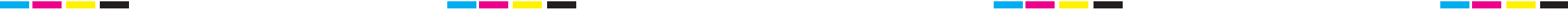


पुलिस युवती के साथ बताए जा रहे युवक की पहचान करने और घटना के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है. हालांकि, मौत के कारणों और घटना को परिस्थितियों को लेकर अभी जांच पूरी नहीं हुई है. दुर्घट से आया था 10 हजार रुपये के कर्ज को लेकर फोन परिजनों के मुताबिक, शेली के लापता होने के बाद दुर्घट से एक फोन आया था. फोन करने वाले ने दावा किया था कि शेली ने 10 हजार

रुपये का कर्ज लिया है. उसने रुपये नहीं देने पर कानूनी कार्रवाई की धमकी भी दी थी. परिवार ने फोन करने वाले से घर आकर हिसाब-किताब स्पष्ट करने को कहा था. अब परिजन इस फोन कॉल को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं. हालांकि, इस कॉल और युवती की मौत के बीच कोई संबंध है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हुई है. फॉर्म भरने निकली थी शेली, फिर नहीं लौटी घर शेली के चचेरे भाई

मनोज कुमार ने बताया कि वह 5 अक्टूबर को फॉर्म भरने के लिए घर से निकली थी. इसके बाद उसका कोई पता नहीं चला. परिवार ने दोस्तों और परिचितों से पृच्छाछ को, लेकिन उसकी कोई जानकारी नहीं मिल सकी. परिजनों का आरोप है कि चार दिनों तक तलाश करने के बावजूद पुलिस शेली का पता नहीं लगा सकी. शव मिलने के बाद उन्होंने पुलिस को कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं. पिता का आरोप- बेटी की हत्या कर ट्रैक पर फेंका गया शव शेली के पिता संजीव कुमार प्रजापति महावीर आरोग्य संस्थान में कर्मचारी हैं. उन्होंने आशंका जताई कि उनकी बेटी की हत्या करने के बाद शव रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है. उन्होंने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बेटी चार दिनों से लापता थी, लेकिन उसका पता नहीं लगाया जा सका. हालांकि, हत्या के आरोप की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. मौत की

असली वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी. तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी शेली परिजनों के अनुसार, शेली तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी और 'ऑनलाइन काफी सक्रिय रहती थी. उसकी मौत की खबर मिलने के बाद परिवार के लोग सदमे में हैं. छात्रा की मौत के मामले में पुलिस अब उसके संपर्कों, फोन कॉल और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं का जांच कर रही है. पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होगी मौत की वजह फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है. परिजनों की ओर से जताई गई हत्या की आशंका, दुर्घट से आए कथित फोन और युवती के लापता होने की परिस्थितियों की जांच अहम होगी. पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का पता चल सकेगा. अब यह देखना होगा कि पांच बच्चों का क्या तथ्य सामने आते हैं और छात्रा की मौत के पीछे की परिस्थितियां कैसे स्पष्ट होती हैं.



पूर्व रेलवे ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि: सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने देवघर में 293.67 करोड़ की जसीडीह बाईपास रेल लाइन का उद्घाटन

विहान भारत

कोलकाता: विकसित झारखंड के लिए बेहतर बुनियादी ढाँचाही की थीम के अंतर्गत क्षेत्रीय रेल अवसंरचना के विकास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करत हुए पूर्व रेलवे ने आज देवघर स्टेशन पर आयोजित भव्य समारोह में 293.67 करोड़ की जसदीहक बाईपास रेल लाइन का औपचारिक उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण परियोजना का उद्घाटन माननीय सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने किया। इस अवसर पर पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पाण्डेय तथा आसमसोल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री संग्रह मौर्य सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाने के लिए डॉ. निशिकांत दुबे, पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पाण्डेय तथा वरिष्ठ रेल अधिकारियों की उपस्थिति में देवघर से मधुपुर तक

नवनिर्मित जसीदीह बाईपास रेल लाइन से होकर एक विशेष ट्रेन का परिचालन किया गया।

महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पाण्डेय के दूरदर्शी नेतृत्व में निर्माण कार्य से पूर्ण परिचालन की दिशा में आगे बढ़ती रही बहुप्रतीक्षित परियोजना रेल नेटवर्क के लिए एक्सप्रेस प्लाईओवर अथवा हाईवे रिंग रोड की तरह कार्य करेगी। विश्वस्तरीय सिविल इंजीनियरिंग तकनीकी से निर्मित इस रेललाइन के निर्माण में जटिल भू-तकनीकी कार्यों को सश्र-प्रतिश्र पूरा किया गया। इसके अंतर्गत व्यापक स्तर पर चट्टानों की कटाई, रोड ओवर ब्रिज, रोड अंडर ब्रिज, महत्वपूर्ण छेदे पुनो तथा आधुनिक डिजिटल सिग्नलिंग प्रणालियों का निर्माण शामिल है।

यह नई रेल लाइन कुमड़ाबाद रोहड़िया और देवघर को सीधे जोड़ती है। जसीदीह मुख्य स्टेशन को पूरी तरह बाईपास करे से अब ट्रेनों को इंजन की दिशा बदलने की



लंबी और समय लेने वाली प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। पहले ट्रेनों को जसीडीह स्टेशन पर लाना पड़ता था, जहाँ इंजन को अलग करके ट्रेन के दूसरे छोर पर ले जाया जाता था, फिर दोबारा जोड़ा जाता था और अनिवार्य ब्रेक परीक्षण किया जाता था। इस पूरी प्रक्रिया में लगने वाला समय अब बच सकेगा। यह रणनीतिक रेल मार्ग झारखंड और पश्चिम बंगाल में क्षेत्रीय प्रदान व्यवस्था को नया आयाम प्रदान करते हुए क्षेत्र की आर्थिक



मिलेगा। इसके अतिरिक्त, प्रतिदिन काम-से-काम दो महत्वपूर्ण मातागण्डियां मुख्य स्टेशन की परिचालन संबंधी बाधाओं को पूरी तरह दरकिनार कर सकेगी। इससे क्षेत्रीय औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी, व्यापार में तेजी आएगी और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति अधिक शीघ्रता से सुनिश्चित हो सकेगी। समारोह को संबोधित करते हुए माननीय सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने क्षेत्र की जनता की लंबे समय से

चली आ रही मांग को पूरा करने वाले इस मल्टिपूरण परिवोजना को साकार रूप देने के लिए पूर्व रेलवे की सहायता की। उन्होंने कहा कि इससे रेल परिचालन की समग्र दक्षता बढ़ने के साथ-साथ क्षेत्र में निर्बाध संपर्क व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने भारतीय रेल के आधुनिकीकरण और अवसंरचना विकास के लिए माननीय केन्द्रीय रेल मंत्री श्रीलाल मिश्र के वैभव के गतिशील दृष्टिकोण एवं मार्गदर्शन का भी

उल्लेख किया। परियोजना के
रणनीतिक महत्व को रेखांकित
करते हुए पूर्व रेलवे की
महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पाण्डेय
ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री
नरेंद्र मोदी जी के विकासित भारत
के संकल्प, दूरदर्शी सोच और
प्रेरणादायी नेतृत्व के अनुरूप पूर्व
रेलवे प्रमुख अवसरचर्चा
परियोजनाओं को पूरा करने के
लिए हार्सबंध प्रयास करेगी। इससे
तेज गति, आधुनिक सुविधाओं
और विश्वसनीयता से युक्त रेल
यात्रा के एक नए युग का मार्ग
प्रशस्त होगा।

इस एतहासिक अवसर का सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए पूर्व रेलवे ने स्थानीय विद्यालयों में स्वच्छता विषय पर आधारित प्रतियोगिता का भी आयोजन किया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। विद्यार्थियों ने इस

हल में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य उद्घाटन समारोह स्थल पर ही सुरक्षित प्रदान किए गए। समारोह के बाद महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पाण्डेय ने विद्यार्थियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की तथा उनके करिब संबंधी सपनों, भारत के भविष्य और एक प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर सार्थक चर्चा की। इस परियोजना की ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिब्राम माडिने ने कहा कि पूर्व रेलवे आधुनिक रेल संपर्क व्यवस्था के विस्तार तथा क्षेत्र की जनता को बेहतर गति, सुरक्षा और उकृष्ट परिचालन के साथ रेल सेवाएं उपलब्ध करने के अपने संकल्प के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त खबरें

धनबाद स्टेशन पर चलाया गया मजिस्ट्रेट

ટિકટ ચેકિંગ અભિયાન

धनबाद(बिभी): धनबाद
मंडल में बड़े पैमाना पर



पिछले चर्च के अनुसार टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सुनियोजित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को धनबाद स्टेशन पर धनबाद का दस्ता सं. 02 एवं धनबाद स्लीपर की एल.आर. चेकिंग स्टाफ द्वारा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 55 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे 26,815 रूपए जुमाने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़े गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा। टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट कार्डर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।

उत्तर रेलवे के सीसीएम रामनाथ झा ने हरदोई रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं का लिया जायजा

मुरादाबाद(बिभा)। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा रेलवे स्टेशन परिसर के व्यवस्थित एवं आकर्षक विकास के उद्देश्य से उत्तर रेलवे के सीसीएम रामनाथ झा ने शुक्रवार को हरदोई रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन के सकुलैटिंग एरिया, फुट ओवरब्रिज, ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन, पार्किंग, बुकिंग कार्यालय, डोरमेट्री, फ्लैटफॉर्म तथा स्टेशन परिसर में स्थित स्टॉलों का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन करते हुए संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। सकुलैटिंग एरिया एवं फुट ओवरब्रिज के निरीक्षण के दौरान उन्होंने इन स्थानों पर विज्ञापन (एडवर्टाईजिंग) की संभावनाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए, ताकि उपलब्ध स्थानों का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके तथा स्टेशन परिसर की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सके। ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन के निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां उपस्थित फैंसिलिटेड से संवाद स्थापित कर मशीन के चालान, यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं तथा संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्टेशन के विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण का उद्देश्य स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने, उपलब्ध संसाधनों का प्राचीन उपयोग सुनिश्चित करने तथा यात्रियों को सुमेल एवं सुविधाजनक रेल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में व्यवस्थाओं का आकलन करना रहा।

उत्तर मध्य रेलवे केंद्रीय चिकित्सालय प्रयागराज में राष्ट्रीय पोषण माह-2026 संपन्न:
24 कार्यक्रमों के जरिए दिया संतुलित आहार व स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

विहान भारत

प्रयागराज: उत्तर मध्य रेलवे के केंद्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज की ओर से 9 सितंबर से 8 अक्टूबर 2026 तक एक माह का 'राष्ट्रीय पोषण माह-2026' आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य रेलकर्मियों, बच्चों और उनके परिवारजनों में संतुलित आहार, स्वस्थ जीवनशैली तथा प्रिवेंटिव हेल्थकेयर (निवारक स्वास्थ्य देखभाल) के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।



विद्यालय में कुल 24 कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह अभियान प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. गोपा मजूमदार, चिकित्सा निदेशक डॉ. राकेश निगम और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.

सुरेंद्र नाथ के मार्गदर्शन में अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक डॉ. कल्पना मिश्रा व सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रीना अग्रवाल के सहयोग से संपन्न हुआ।

अभियान के समन्वय और संचालन में वरिष्ठ आहार विशेषज्ञ अर्पणा साक्सेना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। माह भर चले इस अभियान में बच्चों की नियमित ग्रोथ मॉनिटरिंग और न्यूट्रिशन काउंसलिंग पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही बॉडी कंपोजिशन एनालिसिस (डबल) के जरिए लोगों को उनके स्वास्थ्य जागरूक और पोषण स्थिति के प्रति जानकारी दी गया, ताकि समय रहते स्वास्थ्य जोखिमों की पहचान हो सके। रेलवे प्रशासन ने इस पहल के माध्यम से रेलकर्मियों व उनके परिजनों के समग्र स्वास्थ्य और पोषण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बिहान भारत

कानपुर: प्रयागराज मंडल के (मंडल) रेल प्रबंधक (डीआरएम) रजनीश अग्रवाल ने शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को कानपुर परिक्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेल संरक्षा, यात्री सुविधाओं और स्टेशनों पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

निरीक्षण के तहत डीआरएम कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर लूकोहरे के मौसम की तैयारी एवं बरती जाने वाली सावधानियाँ विषय पर आयोजित संरक्षा संगोष्ठी में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि घने कोहरे में दृश्यता



कम होने पर रेल परिचालन को सुरक्षित रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने रेलकर्मियों को नियमों का कड़ाई से पालन करने, आपसी समन्वय बनाए रखने

और पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने कानपुर सेट्रल स्टेशन और सकुलेंटिंग एरिया का निरीक्षण करते हुए यात्रियों से संवाद कर व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया।

डीआरएम ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पुनर्विनिर्माण सहित हो रहे कामपुर अनवरगंज स्टेशन काम भी दौरा किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर जोर देते हुए तृप्त यमनाकों के अरूप कार्य पूरा करने के निर्देश दिए ताकि यात्रियों को विश्वसनीय सुविधाएं मिल सकें। अंत में उन्होंने लोको स्थित उप मंडलीय चिकित्सालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता और स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हरमोहन, उप मुख्य यातायात प्रबंधक आकांशु गोविंद सहित कई रेल अधिकारी मौजूद रहे।